वार्षिक रिपोर्ट

2021- 22

जतन

जतन वार्षिक रिपोर्ट

सत्र 2021 - 22

संपादन एवं मार्गदर्शन :	डॉ. कैलाश बृजवासी
सामग्री संकलन एवं डिजाइन :	मरुधर सिंह, राजेंद्र राठौर तथा उत्कर्ष सुथार
प्रकाशन :	जतन संस्थान
मुद्रण :	संजरी प्रिंटर्स, उदयपुर

मुखपृष्ठ : राजसमन्द में फरवरी 2022 में माहवारी स्वास्थ्य प्रबंधन विषय पर 'प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण' कार्यशाला दौरान गतिविधि आधारित सत्र में उर्जा और उल्लास के साथ भाग लेते हुए संभागी |

(प्रकाशित सभी तस्वीर परियोजना तथा प्रकाशन से सम्बंधित अनुमति ली गयी है)

संस्था परिचय

जतन संस्थान दक्षिणी राजस्थान में जमीनी स्तर पर काम करने वाली एक स्वैच्छिक संस्था है। जतन ने अपने काम की शुरुआत सन् **2001** में वरिष्ठ शिक्षाविद् एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर राजस्थान के राजसमन्द जिले में की।

जतन आरम्भ से ही ग्रामीण और शहरी युवाओं, किशोर-किशोरियों, बच्चों व महिलाओं, निर्वाचित महिला जनप्रतिनिधि, प्रवासी मजदूर एवं समुदाय के वंचित वर्ग को विस्तृत कार्यक्रमों के माध्यम से सशक्त बनाने के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार, कौशल विकास, प्रवास एवं मातृत्व व प्रजनन स्वास्थ्य के मुद्दों पर लोगों की सूचनाबद्ध भागीदारी बढ़ाने और उन्हें मुख्यधारा में शामिल करने के लिए प्रतिबद्ध है।

विजन

जतन एक ऐसे समाज की कल्पना करती है, जहाँ लोग स्वस्थ, सुरक्षित और खुशियों से भरी भेदभावमुक्त जिंदगी जी सकें।

मिशन

जतन राजस्थान के युवाओं को सूचना, संबलन व उचित अवसर उपलब्ध कराने और सशक्त बनाने के लिए प्रयासरत है ताकि युवाओं के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकें।

*तस्वीर : उत्कर्ष सुथार (राजसमन्द में आयोजित मार्च 2022 में त्रैमासिक मीटिंग में "मोर्निंग फोटोग्राफी" सत्र के दौरान ली गई सुबह की तस्वीर (यह कोरोना काल के बाद एक नया युग की शुरुआत का प्रतिक भी है...)

अनुक्रमणिका

1. बच्चों की शिक्षा, सुरक्षा एवं समग्र विकास के लिए .....7 -18
- पेरेंट्स प्लस
- ख़ुशी
- चाइल्ड लाइन (राजसमंद और रेलवे उदयपुर)
- अपना जतन केंद्र
- ज्ञानोदय
- एजुकेशन फॉर लाइफ (दिगंत)

2. किशोर किशोरियों और युवाओं के लिए .....19 -22
- जेम्स
- UNICEF (गार्गी मंच, SMC और ट्रेनिंग)

3.महिलाओं के सम्मान और सशक्तिकरण के लिए .....23 -28
- महिला सुरक्षा सलाह केंद्र
- सुमा परियोजना
- उगेर
- राजपुष्ट

4. टीकाकरण अभियान.....29 -31
- रिचिंग द अनरिच्ड
- कवच
- अजीम प्रेमजी फाउंडेशन -टीकाकरण कार्यक्रम
- प्रयास संस्थान के साथ कोविड-19 जागरूकता कार्यक्रम

5. हमारे प्रकाशन 32

6. ऑन लाइन जश्न- ए -जतन 2022.....33

7. स्वस्थ परम्पराएँ.....34

8. जतन कार्यकारणी समिति-बोर्ड सदस्य 2021-22.....35

9. अंकेक्षण प्रतिवेदन 38

निदेशक की कलम से...

प्रिय साथियों,

सत्र 2021 – 2022 की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए काफी सुकून महसूस हो रहा है | कोरोना संक्रमण का प्रभाव कम हो गया है और ज़िन्दगी एक बार फिर से सामान्य होने लगी है, यद्यपि बचाव सम्बन्धी कार्य अभी थमे नहीं हैं और उनकी प्रासंगिकता भी बनी हुई है | सामूहिक प्रयासों की महत्ता एक बार पुनः सिद्ध हो गई है | इस सामान्य स्थिति तक आने के लिए सभी साथी, सरकारी और गैर सरकारी विभाग और संस्था-संगठनों द्वारा किये गए साझा प्रयास ने उल्लेखनीय कार्य किया है | जतन ने अपने पूर्व वर्ष के प्रयासों को जारी रखते हुए इस क्षेत्र में अपने कार्य को बढाया है | इसके लिए अज़ीम प्रेम जी फाउंडेशन, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और यु एस एड द्वारा दिया जाने वाला सहयोग हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण रहा है |

इस वर्ष हम बाल विकास सम्बन्धी कार्य को विस्तार देते हुए उदयपुर शहर के 5 मुख्य क्षेत्रों में **पैरेंट प्लस परियोजना** के माध्यम से नगर निगम के साथ मिलकर शहर को बाल मित्रवत बनाने की कवायद से भी जुड़ गए हैं | इस परियोजना ने हमें सुरक्षा सम्बन्धी मुद्दे को एक अलग नज़रिए से देखना सिखाया है |

साथ ही मई-जून में लगे लॉकडाउन में सोशल मिडिया पर बाल श्रम को रोकने और बच्चों को पढाई से जोड़ने के लिए **'काम नहीं-कलम पकड़ाएं'** अभियान संचालित कर विभिन्न मंच पर **1 लाख 20 हज़ार** से भी अधिक लोगों के साथ जुड़ने का सौभाग्य मिला है जो हमारे लिए पहला और अनूठा प्रयोग था |

माहवारी प्रबंधन का मुद्दा जतन का कोर मुद्दा रहा है, अब इस क्षेत्र में पुरुषों की भागीदारी बढाने की जो ज़िम्मेदारी हम ने ली है उसे गंभीरता से निभाया जा रहा है | इस क्रम में इस वर्ष हमने अन्य संस्थाओं के कार्यकर्ताओं के लिए माहवारी स्वास्थ्य प्रबंधन विषय पर **'प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण'** आयोजित कर इस गंभीर विषय को आगे बढ़ने का कार्य किया है | साथ ही किशोर-किशोरियों के साथ शिक्षा विभाग से जुड़े अध्यापक वर्ग के लिए **सकारात्मक पुरुषत्व** विषय पर क्षमता वर्धन के कार्य को भी बखूबी अंजाम दिया है |

स्थानीय समितियों के सशक्तिकरण की दिशा में किये जा रहे प्रयास के तहत ख़ुशी परियोजना से सम्बद्ध आंगनवाड़ी प्रबंधन समिति के सदस्यों को प्रशिक्षण देने के लिए न केवल **प्रशिक्षण मार्गदर्शिका** विकसित की बल्कि अन्य संस्थाओं के कार्यकर्ताओं को भी प्रशिक्षित कर उन्हें निरंतर मार्गदर्शन और सहयोग प्रदान किया | हमारे इन प्रयासों ने हमें पहले से भी ज्यादा लोगों के साथ जुड़ाव के अवसर उपलब्ध करवाएं हैं और एक-दूसरे के प्रति हमारे विश्वास को पुख्ता किया है | जो हमें निरंतर उर्जावान और प्रोत्साहित बनाए रखता है | इसके लिए मैं जतन से जुड़े सभी साथी-सहयोगी और शुभेच्छुओं का आभार व्यक्त करना चाहता हूँ |

हार्दिक शुभकामनाओं के साथ

(डॉ. कैलाश बृजवासी)

जतन की खासियत

जतन संस्थान कार्यकर्ता अपने सभी कार्यालय में प्लास्टिक की थैलियों और डिस्पोजेबल प्लास्टिक सामग्री का उपयोग नहीं करते हैं और अन्य लोगों को भी इसका उपयोग न करने के लिए प्रेरित करते है । जतन संस्थान परिसर तथा संस्थान द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में प्लास्टिक बैग, प्लास्टिक पानी की बोतल, फ्लेक्स बैनर, प्लास्टिक फोल्डर्स, स्ट्रॉ, प्लास्टिक अथवा थर्मोकोल के कप, थर्मोकोल शीट्स, प्लास्टिक प्रिंटिंग मटेरियल, पैक्ड खाने के प्लास्टिक पैकेट या डिब्बे आदि का उपयोग नहीं करने के लिए कटिबद्ध है।

हम जानते हैं कि संसाधन बहुत सीमित हैं। अतः इनका सही और समुचित उपयोग करने पर हमारा जोर रहता है। यही कारण है कि हम किसी भी सामग्री का अधिक से अधिक उपयोग करने में विश्वास करते हैं चाहे वो माहवारी प्रबंधन के लिए काम में लिया जाने वाला सूती कपड़ा हो या एक तरफ इस्तेमाल किया गया कागज !

हमारे द्वारा विकसित की जाने वाली सन्दर्भ सामग्री की पहुँच अधिक से अधिक लोगों तक सुनिश्चित हो सके इसके लिए हम कॉपी लेफ्ट नीति का पालन करते हैं। हम उन साथियों के प्रति अपना आभार भी व्यक्त करते हैं जो हमें, उनके द्वारा प्रयोग में ली जा रही जतन सन्दर्भ सामग्री के लिए श्रेय देते हैं।

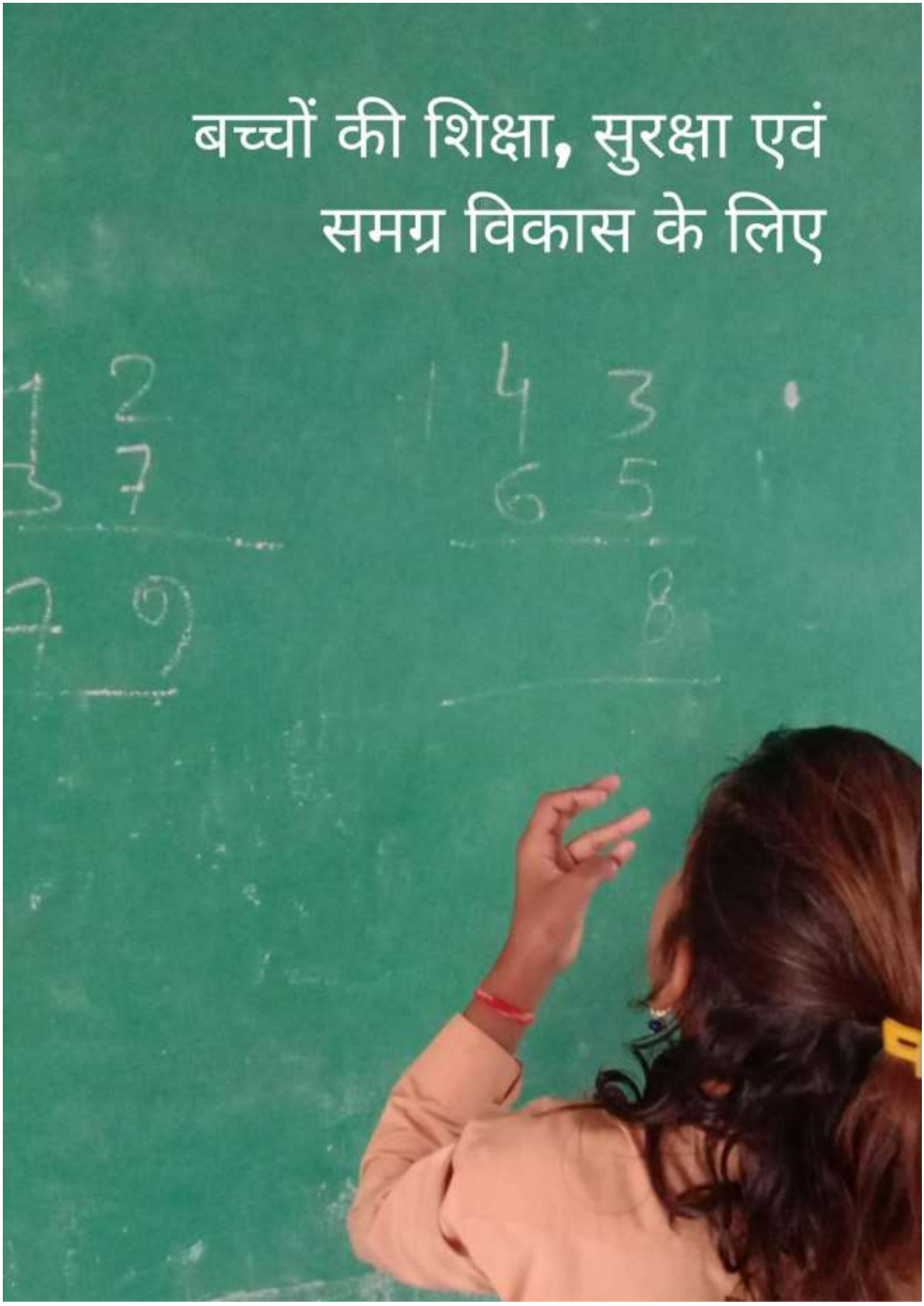
बच्चों की शिक्षा, सुरक्षा एवं
समग्र विकास के लिए

पेरेंट्स+ परियोजना

पेरेंट्स+ परियोजना उदयपुर शहर के 5 क्षेत्रों में सितंबर 2021 में शुरू की गई थी।यह परियोजना बर्नार्ड वैनलीयर फाउंडेशन, और नगर निगम की पहल है, जिसमे जतन संस्था एक तकनीकी सहयोगी के रूप में कार्य कर रही है। यह परियोजना व्यवहार विज्ञान को ध्यान में रखते हुए माता-पिता और अन्य देखभाल करने वालों के लिए बच्चे के प्रारंभिक वर्षों में उसकी परवरिश और उत्तरदायी देखभाल से सम्बंधित है।

परियोजना को उदयपुर नगर निगम द्वारा क्रियान्वित 'अर्बन 95' कार्यक्रम के दूसरे चरण के साथ एकीकृत किया गया है।अर्बन95 कार्यक्रम शहरी योजनाकार, वास्तुकार, इंजीनियर, शहर प्रबंधक और गैर- लाभकारी संगठनों के साथ मिल कर काम कर रहा है ताकि शहरों की योजना और प्रबंधन में बचपन के विकास पर ध्यान केंद्रित किया जा सके। अर्बन 95 कार्यक्रम, एक स्वस्थ 3 साल के बच्चे (जिसकी औसत ऊँचाई 95सेंटीमीटर होती है) के नजरिये से एक शहर कैसा होना चाहिए अवधारणा को प्रोत्साहित करता है | अर्बन 95 का लक्ष्य छोटे बच्चों, उनकी देखभाल करने वालों और सभी के लिए स्वस्थ, सुरक्षित और प्रभावशाली वातावरण के निर्माण करना है। परियोजना के शुरूआती स्तर पर एक टीम का गठन कर परियोजना की अवधारणा पर समझ विकसित करने का कार्य संपन्न कर लिया गया है | साथ ही परियोजनाकी प्रारंभिक आवश्यकता के तौर पर चाहे गए 5 क्षेत्रों की चयन प्रक्रिया की रणनीति तैयार की जा रही है | इस परियोजना को नगर निगम और पैरेंट प्लस टीम के साथ संचालित किया जा रहा है जिसमे विभिन्न विशेषज्ञ संस्थाएं समय-समय पर आवश्यकतानुसार सहयोग और मार्गदर्शन प्रदान करेंगी | इस क्रम में एक बैठक नगर निगम के पेरेंट प्लस कार्यालय परिसर में ही आयोजित कर सभी सहभागी संस्थाओं के साथियों ने आपसी परिचय करते हुए परियोजना पर सामूहिक समझ विकसित की |

चयनित क्षेत्रों में परियोजना को औपचारिक रूप से शुरू करने से पहले परियोजना के फील्ड स्टाफ और कोर टीम का क्षमता वर्धन किया गया | जिसमेपेरेंट्स+ टीम ने अर्बन 95 कन्वीनिंग 2021 में भाग लिया | यहकार्यक्रम बर्नार्ड वैन लीयर फाउंडडेशन और स्वच्छ वायु कोष की सामूहिकपहल थी और इसका मुख्य उद्देश्य यह बताना था कि कैसे स्वच्छ हवा, स्वस्थ, सुरक्षित और जीवंत शहर बनाने का एक अनिवार्य हिस्सा है जिसमें छोटे बच्चे और उनके परिवार एक आरामदायक ज़िन्दगी जी सकते है हैं। इसके अलावा, एक उद्देश्य यह भी सीखना था कि वायु प्रदूषण के मुद्दे को ध्यान में रखते हुए, बच्चों के अनुकूल शहर का निर्माण कैसे होना चाहिए |

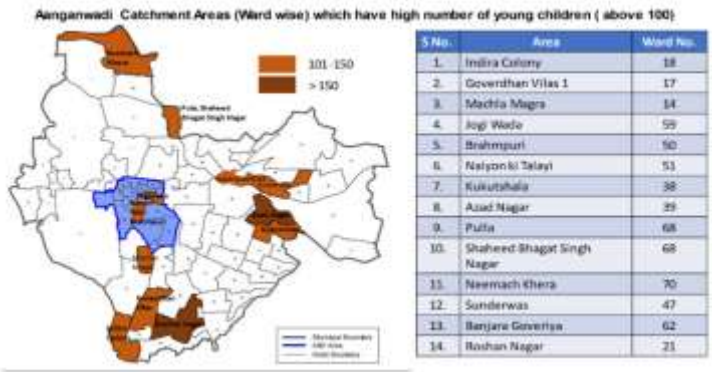

S No.	Area	Ward No.
1.	Indira Colony	18
2.	Goverdhan Vilas 1	17
3.	Machla Magra	14
4.	Jogi Wada	59
5.	Brahmpuri	50
6.	Naiyon ki Talayi	51
7.	Kukutshala	38
8.	Azad Nagar	39
9.	Pulla	68
10.	Shaheed Bhagat Singh Nagar	68
11.	Neemach Khera	70
12.	Sunderwas	47
13.	Banjara Goverisa	62
14.	Roshan Nagar	21

अगले चरण में बर्नार्ड वैन लीयर फाउंडडेशन के द्वारा पेरेंट्स+ टीम का उन्मुखीकरण आयोजित किया गया जिसमे फाउंडडेशन ने अर्बन 95 परियोजना के दुसरे चरण में पेरेंट्स+ भूमिका और एक साझा प्रयास के साथ उदयपुर शहर बच्चों के नजरिये से कैसे तैयार हो सकता है, इस पर एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के साथ साथ विस्तार से चर्चा की गई। उन्मुखीकरण के बाद, ईसीसीई घटकों, आईसीडीएस मानदंडों, परियोजना के अंतर्गत मुख्य माईलस्टोन, बचपन की बीमारियों, बाल संरक्षण के मुद्दों, यूएनसीआरसी, सामुदायिक भागीदारी को व्यवस्थित करने और सुधारने, सामाजिक समावेश आदि पर परियोजना टीम के लिए आंतरिक क्षमता निर्माण सत्र आयोजित किए गए। महत्वपूर्ण मुद्दों, अनुसंधान, परियोजना प्रगति की समय-समय पर समीक्षा और प्रभावी परियोजना कार्यान्वयन को सक्षम करने व् टीम को आवश्यकतानुसार सहोयोग प्रदान करने के लिए छह सदस्यों की एक सलाहकार समिति का गठन किया गया था। बर्नार्ड वैन लीयर फाउंडेशन को एक इंसेप्शन रिपोर्ट प्रस्तुत की गई थी ताकि गतिविधिओं की समय सीमा, और टीम संरचना निर्धारित की जा सके, इस रिपोर्ट पर चर्चा के बाद, उदयपुर नगर निगम के अधिकारियों, और बर्नार्ड वैन लीयर फाउंडडेशन की शहर निगरानी टीम के साथ फाउंडेशन के दायरे, दृष्टिकोण और कार्य योजना पर चर्चा करने के लिए एक लॉन्च मीटिंग मीटिंग आयोजित की गई। शहर की निगरानी टीम ने कार्यक्रम के पहले चरण में की गई गतिविधियों के बारे में साझा किया, सुरक्षा के संदर्भ में छोटे बच्चों के लिए विभिन्न स्थानों पर पायलट हस्तक्षेप, रचनात्मक खेल क्षेत्रों का निर्माण और मौजूदा स्थानों में सुधार शामिल था |

इस परियोजना के अंतर्गत उदयपुर के 5 विभिन्न क्षेत्रों में 9 आंगनवाड़ियों के लगभग 14,573 लोग और 1166 परिवार को लाभान्वित किया जा रहा है, जिन्हें 3 श्रेणियों में देखा जा सकता है –

स्तर I – **प्राथमिक देखभालकर्ता और अन्य**	**स्तर II –** **प्रारंभिक बाल विकास कार्यकर्ता**	**स्तर III –** **ऐसे लोग जो नीतियों के निर्माण में शामिल हो और शहर के विकास से सम्बंधित निर्णय ले सकें**
माता-पिता	आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका, आशा कार्यकर्ता	उदयपुर नगर निगम, महापौर, उप महापौर, निर्वाचित प्रतिनिधि सदस्य
दादा- दादी, नाना-नानी	डे केयर सेंटर के केयर टेकर	उदयपुर नगर निगम से जुड़े तकनीकी विशेषज्ञ - अर्बन प्लानर्स, आर्किटेक्ट्स, इंजीनियर्स
बड़े भाई-बहन	प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल केंद्र ए.एन.एम. आदि।	अर्बन प्लानर्स, आर्किटेक्ट्स और इंजीनियरों सहित शहरी विकास ट्रस्ट
विस्तारित परिवार जैसे चाचा/चाची	समुदाय के समूह	स्वास्थ्य और ICDS जैसे सरकारी विभाग के अधिकारी
गर्भवती महिला	स्वयंसेवकों	स्वास्थ्य और एकीकृत बाल विकास योजना (आईसीडीएस) जैसे सरकारी विभागों के अधिकारी
पड़ोस के लोग	निजी प्राथमिक विद्यालयों के कर्मचारी	

"खुशी" परियोजना

राजसमंद जिले के रेलमगरा, राजसमंद और खमनोर ब्लॉक के आंगनवाड़ी केंद्रों को सशक्त और मॉडल केंद्र बनाने के लिए जतन संस्थान, और हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड का एक सार्थक प्रयास है। परियोजना का उद्देश्य मेंआंगनवाड़ी केंद्रों पर एकीकृत बाल विकास योजना द्वारा प्रदान की जाने वाली सभी 06 कोर सेवाओं को मजबूत करना, पोषक तत्वों के साथ पूर्ण पूरक पोषण प्रदान करना, पूर्व-स्कूल शिक्षा का सुचारू कार्यान्वयन, रेफरल सुविधाएं और बच्चों के स्वास्थ्य और स्वच्छता में सुधार करना और सामुदायिक भागीदारी बढ़ाना है। यह परियोजना विभिन्न भागीदार संस्थानों के सहयोग से राजस्थान के राजसमंद जिलों में लागू की गई है। राजसमंद जिले में तीन ब्लॉक के 509 आंगनबाडी केन्द्रों पर संचालित की जा रही है.

मुख्य गतिविधियां

स्वास्थ्य ओर पोषण - इस वर्ष तीन ब्लॉक के आंगनवाडी केन्द्रों पर बच्चों की एमयूएसी के माध्यम से 26434 बच्चों की जांच की गई और 1555 बच्चे गंभीर तीव्र कुपोषित (एसएएम) और 4327 मध्यम तीव्र कुपोषित (एमएएम) थे। परियोजना जागरूकता और समुदाय आधारित गतिविधियों का संचालन करके कुपोषित बच्चों की संख्या को दूर करने का प्रयास करती है।

चाइल्ड स्क्रीनिंग का ब्लॉक वार विवरण

ब्लॉक	स्क्रीन बच्चो की संख्या	अतिकुपोषित	कुपोषित	समान्य
खमनोर	10188	679	1925	7584
राजसमंद	9550	622	1540	7388
रेलमगरा	6696	254	862	5580
	26434	**1555**	**4327**	**20525**

सकारात्मक चूल्हा कार्यक्रम - पोषण पर समुदाय में जागरूकता फैलाने, कुपोषण पर समझ विकसित करने के उद्देश्य से कुपोषित बच्चो, धात्री-गर्भवती मताओ के साथ 13 दिवसीय सत्रों(माँ व बच्चे से जुड़े सत्र) तक 100 ग्राम पंचायत स्तर पर कुपोषण, बीमारी से बचाव, विविध व्यंजन निर्माण ओर खान-पान सुधार हेतु कार्यक्रम किया गया।

एमटीसी रेफरल : इस वित्तीय वर्ष मे चिकित्सीकीय जटिलता से ग्रसित अतिकुपोषित बच्चो को चिकित्सा विभाग द्वारा संचालित कुपोषण उपचार देखभाल केन्द्र (एमटीसी) मे उपचार देखभाल हेतु रेफर किया गया। रेफर के बाद बच्चो का 1 माह तक फॉलो अप भी किया गया।

कुपोषित बच्चों की स्थिति –

कुल बच्चो की संख्या	अतिकुपोषित से सामान्य	अतिकुपोषित से कुपोषित	कुपोषित से सामान्य	अतिकुपोषित से अतिकुपोषित	डिफ़ाल्टर
408	43	131	143	81	10

समुदाय आधारित कुपोषण प्रबंधन - तीव्र कुपोषण के लिए समुदाय आधारित प्रबंधन (सीएमएएम) शिविर सभी 103 संचालित पंचायतों में आयोजित किए गए। इस शिविर के तहत ओटीपी में 408 बच्चों का वजन कम पाया गया, 12 दिनों के फालोअप के बाद निम्न तालिका बच्चों की स्थिति को दर्शाती है।

किचन गार्डन विकास

परियोजना अतर्गत समुदाय में पोषण का महत्व और ग्राम स्तर पर इसके उपयोग को बढावा देने के लिए समुदाय स्तर और आंगनवाडी केन्द्रों परतथाकुपोषित बच्चे, गर्भवती ओर धात्री महिलाएं को चिन्हिकरण कर800 लाभार्थियों 200 आंगनवाडी केन्द्रों पर किचन गार्डनो' का विकसित किया गया। इनमे ग्वारतुरई, लौकी, भींडी , और धनिया उगाया गया है। इस' प्रयास मे लाभार्थियो को अंगनबाड़ी से भी सब्जियांमिलने लगी है ओर समुदाय की सोच मे परिवर्तन आया है। इसी प्रकार दूसरे चरण मे भी पालक मट, मेथी, गाजर ओर टमाटर के बीज वितरण किए गया ओर उत्पादनपोषित बच्चे, गर्भवती ओर धात्री महिलाएं मे वितरण किया गया।

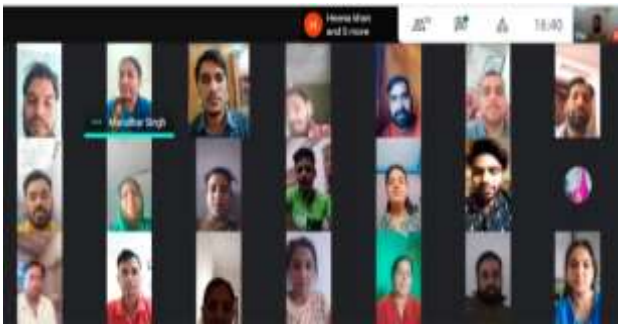

शाला पूर्व शिक्षा

शाला पूर्व शिक्षा के बारे में समझ विकसित करने के लिए ख़ुशी स्टाफ़ को प्रशिक्षण दिया गया। इस वर्ष 59 स्टाफ सदस्यों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। राजसमंद के तीन परिचालन ब्लॉकों से 509 आंगनवाड़ी केंद्रों की 403 आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को समान प्रशिक्षण प्रदान किया गया। माता-पिता के साथ व्हाट्स अप ग्रुप बनाया, इसका उपयोग बच्चों के लिए शिक्षण सामग्री साझा करने के लिए किया गया। यह माना जाता है कि बच्चे विभिन्न खेल और खेल गतिविधियों से सीखते हैं, इसे ध्यान में रखते हुए, सभी 509 आंगनवाड़ी केंद्रों में खेल किट विकसित और प्रदान किये ।

स्कूल तैयारी सर्वे

4-6 वर्ष की आयु के बच्चो की शाला पूर्व शिक्षा के संबंध में बच्चों की स्कूल की तैयारी, टीम प्रयास, कोविड-19 के कारण लगाई गई सीमाएं, क्लस्टर समन्वयकों द्वारा शाला पूर्व शिक्षा किट प्रदान करने का सीमित व्यक्तिगत अभ्यास तथा स्कूल में दाखिला लेने के लिए तैयार हैं का आकलन किया गया । इसमे 896 बच्चों (नमूना आकार) के साथ स्कूल तैयारी का सर्वेक्षण किया गया। लगभग 45% बच्चे लगभग आधे बच्चों के पास अनौपचारिक शिक्षा से औपचारिक शिक्षा में एक सुचारु परिवर्तन होने जा रहा है।

सामुदायिक सहभागिता

आंगनवाड़ी केंद्र की स्थिरता और जिम्मेदारियों को बनाए रखने के लिए सामुदायिक जुड़ाव एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस वर्ष परियोजना के तहत विभिन्न सामुदायिक कार्यक्रम समुदाय के साथ मनाए गए, जैसे आंगनवाड़ी दिवस, पोषण माह, राष्ट्रीय दिवस और स्वास्थ्य गतिविधियां। प्रोजेक्ट के तहत आगनबाड़ी स्तर पर अभिभावक समूह बनाया गया | बच्चों के एकीकृत विकास पर माता-पिता को समझने और जागरूक करने के लिए हर महीने बैठक की जानी है। AWCs के संसाधनों और AMC (आंगनवाड़ी प्रबंधन समिति) में चर्चा की जा रही चुनौतियों को बनाए रखने के लिए, जो 50% AWC में बनाई गई है, वार्ड पंच समिति के अध्यक्ष के रूप में AMC का नेतृत्व करते हैं। एएमसी बैठक प्रत्येक तिमाही में एक बार आयोजित की जानी है। निम्न तालिका सामुदायिक बैठकों और प्रतिभागियों को इंगित करती है।

सामुदायिक बैठकें

बैठक का नाम	बैठकों की संख्या	सहभागियों की संख्या
अभिभावक बैठक	2870	29450
आंगनबाड़ी सतर्कता समिति बैठक	821	7363

कंवर्जेंस

ख़ुशी प्रोजेक्ट लगातार विभिन्न सरकारी विभागों, समुदाय और अन्य एनजीओ भागीदारों के साथ अभिसरण के अवसर की तलाश करती है ताकि केंद्र को एक संसाधन के रूप में विकसित कर बच्चे के एकीकृत विकास के लिए निरंतर सहयोगात्मक तरीके से काम किया जा सके। इसी क्रम मे विभागो के साथ कनवरजेंस बैठके, विभिन्न प्रशिक्षण, रैसिपि प्रदर्शनी जैसी गतिविधियो का आयोजन किया गया। जिससे परियोजना को लाभ मिला है। इस वित्तीय वर्ष में जतन संस्थान ने समुदाय से आंगनवाड़ी केंद्र और बच्चों के लिए राशि रू. 61,42,277 प्राप्त की जबकि पंचायतों और अन्य स्रोतों से राशि 56,17,256, ISAP से 20 लाख रुपये मूल्य के 509 केन्द्रो आंगनवाड़ी केन्द्रों के लिए कोविड किट तथा ब्रिटानिया से बच्चों के लिए राशि 3,81,000/-रुपये के बिस्किट का उल्लेखनीय सहयोग प्राप्त किया।

क्षमता विकास कार्यक्रम

खुशी परियोजना के अंतगर्त खुशी टीम और रेलमगरा, खमनोर व राजसमंद ब्लॉक के 509 आंगनवाड़ी केन्द्रों की आंगनबाड़ी कार्यकर्तोओ, आशा, ए.एन.एम. को पोषण प्रहरी, शाला पूर्व शिक्षा, पी.डी. सत्र आयोजित किये | आँगनबाड़ी सतर्कता समिति के सदस्यों के लिए आमुखीकरण आयोजित कर उनकी क्षमतावर्धन का कार्य किया गया। कई प्रशिक्षण कार्यक्रमों में और सत्रों मे हिंदुस्तान ज़िंक के प्रतिनिधियौ द्वारा भी सहभगिता की गयी।

“ख़ुशी” परियोजना प्रगति : एक नज़र

78%	समय पर केन्द्र खुलना
82%	नन्द घर समय पर खुलना
80%	दोनों स्टाफ की उपलब्धता
26434	बच्चो की स्वास्थ्य जांच
408	अति कुपोषित बच्चो की संख्या
174	अति कुपोषित ग्रेड से मुक्त बच्चो की संखया
1200	किचन गार्डन विकास
261	आँगन बाड़ी समिति गठन
100	PD सेशन मे लाभान्वित (1250 महिलाए)

राजसमन्द चाइल्ड हेल्प लाइन और रेलवे चाइल्ड हेल्प लाइन

चाइल्डलाइन इंडिया फाउंडेशन, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय भारत सरकार और जतन संस्थान के संयुक्त तत्वाधान में संचालित है | यह परियोजना राजसमन्द जिले में कौलेब और उदयपुर जिले में रेलवे चाइल्डलाइन सञ्चालन का कार्य कर रही है जो 24 x 7 घंटे, आपातकालीन नि:शुल्क फोन पहुँच सेवा के तौर पर सुविधा प्रदान करती है | यह सेवा 0 से 18 वर्ष तक के बच्चों की देख–रेख व संरक्षण और जरूरत वाले बच्चों को सरकार द्वारा संचालित सेवाओं एवं नागरिक समाज संगठनों द्वारा संचालित उचित संगठनों से जोड़ती है ताकि इन बच्चों को लंबे समय के लिए देखभाल, संरक्षण और पुनर्वासन प्राप्त हो सके।

यह सेवा बच्चों से जुड़े विभिन्न संगठनों के मध्य नेटवर्क भी बनाती है साथ ही बच्चों की सुरक्षा से सम्बंधित अन्य विभाग, जैसे - पुलिस, स्वास्थ्य देखभाल, किशोर न्याय, परिवहन, कानूनी, शिक्षा, संचार, मीडिया, राजनीतिक एवं समुदाय) के साथ मिल कर काम करती है ताकि बच्चों के लिए सुरक्षित और अनुकूल वातावरण तैयार किया जा सके |

राजसमन्द चाइल्डलाइन

CAB(चाइल्ड एडवाईजरी बोर्ड)- इस वर्ष बच्चों से जुड़े जिला स्तरीय अधिकारयों के साथ साथ स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि, हितधारक के साथ चाइल्ड एडवाईजरी बोर्ड की बैठक का जिला कलेक्टर के अध्यक्षता में दो बार आयोजन किया गया था | जिसमें चाइल्ड लाइन द्वारा किये गए कार्यों, चुनौतियों व उपलब्धियों को जिला कलेक्टर के सम्मुख प्रस्तुत किया गया | वर्ष भर में परियोजना के तहत बच्चों के लिए संचालित चाइल्डलाइन के नि:शुल्क नम्बर 1098 का प्रचार प्रसार सामुदायिक गतिशीलता की गतिविधियाँ, तथा विभिन्न दिवसों जैसे जिला वालंटियर कार्यशाला, अंतराष्ट्रीय बालिका दिवस, संविधान दिवस, बाल सुरक्षा पर पोस्टर प्रतियोगिता इत्यादि के माध्यम से बाल संरक्षण के मुद्दों पर जन जागरूकता बनाई गयी |

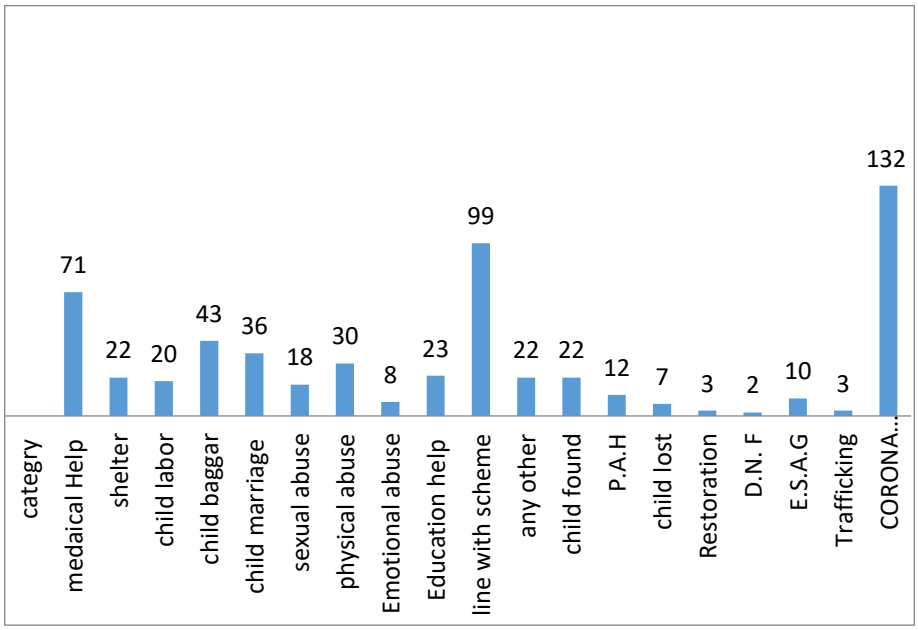

चाइल्ड से दोस्ती सप्ताह

प्रति वर्ष 14 से 20 नवंबर तक मनाए जाने वाला 'चाइल्डलाइन से दोस्ती सप्ताह' के अंतर्गत राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय राजनगर से एक रैली निकाली गई, कच्ची बस्ती में बच्चों के साथ केक काटा गया और जिले से सभी अधिकारियो को सुरक्षा बंधन बाँधा गया | भीम ब्लॉक में नशा मुक्ति को लेकर हस्ताक्षर अभियान, नेडच में बाल हिंसा को ना कहें पर हस्ताक्षर अभियान, राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय सनवाड़ में बाल सुरक्षा दिवस मनाया |

क्षमतावर्धन प्रशिक्षण

राजसमन्द चाइल्ड लाइन व रेलवे चाइल्ड लाइन उदयपुर के टीम के लिए दो दिवसीय बाल सरंक्षण कार्यशाला का आयोजना किया गया | लैंगिक अपराधों से बालको का संरक्षण अधिनियम 2012 व किशोर न्याय अधिनियम (बालको की देखरेख एवं संरक्षण अधिनियम 2015) पर रिसोर्स पर्सन जयपुर पुलिस अकादमी प्रशिक्षक धीरज जी वर्मा ,सहायक निदेशक बाल अधिकारिता विभाग जय प्रकाश चारण , कोमल पालीवाल अध्यक्ष बाल कल्याण समिति राजसमन्द, सिटी इंचार्ज उदयपुर और डॉ. कैलाश जी बृजवासी निदेशक महोदय जतन संस्थान को भी जोड़ा गया |

बाल शोषण पर जागरूकता कार्यक्रम

परियोजना द्वारा जिला स्तरीय अधिकारियो व बच्चों के साथ घाटी गाँव के स्कूल में सवांद किया गया | इस कार्यक्रम में महिला थानाधिकारी संगीता बंजारा ने लेंगिंग अपराधो से बालको के सरंक्षण अधिनियम को समझाया | बाल कल्याण समिति अध्यक्ष कोमल पालीवाल द्वारा नशे, बाल विवाह,बाल शोषण, ड्रॉप आउट जेसे मुद्दों सहित बाल सरंक्षण पर जनप्रतिनिधियों, अभिभवको को उनकी भुमिका सुनिश्चित करवाने का प्रयास किया |

उदयपुर रेलवे चाइल्ड हेल्पलाइन

इस परियोजना में चिकित्सा सहायता आश्रय, घर वापसी ,बालश्रम, भिक्षावृति, परिवार द्वारा दुर्व्यवहार ,भावनात्मक शोषण,अन्य चाईल्डलाईन से भेजे गए केस, खोये व पाए बच्चे, भावनात्मक सहयोग एवं मार्गदर्शन इत्यादि श्रेणियों के अप्रैल 2021 से मार्च 2022 तक कुल 883 कॉल प्राप्त हुईं थी जिनमें से 160 इन्टरवेंशन कॉल हैं, जिनके अन्तर्गत आवश्यकतानुसार कार्यवाही की गयी।

उक्त 160 केसों में से 111 लड़कों के तथा 49 लड़कियों के केस है। प्राप्त केसों में उदयपुर जिले के आलावा राजस्थान के अन्य जिलों से भी बच्चे मिले जिनकी समझाइश कर के उन्हें पुनः घर भेजा गया | गुजरात, मध्य प्रदेश, उत्तरप्रदेश, बिहार व अन्य राज्यों से भी आए बच्चे मिले जिन्हें पुनः घर पहुँचाया गया | परियोजना की गतिविधियों के प्रचार-प्रसार हेतु सामुदायिक गतिशीलता के विभिन्न तरीकों के उपयोग के साथ चाइल्डलाइन के नि:शुल्क नंबर 1098 का प्रचार प्रसार भी किया जाता है | इसके लिए आउटरीच, विभिन्न मुद्दों पर ओपन हाउस, खुला मंच, कार्यकर्ताओं के जन संपर्क, बच्चों से जुड़े विभिन्न दिवस आयोजन, चाइल्डलाइन से दोस्ती सप्ताह, जिला एवं रेलवे के हितधारको के साथ संयुक्त कार्यक्रम करते हुए उदयपुर जिले के भीमल, खेमली, देबारी, सिटी स्टेशन पर रेलवे स्टेशन से जुड़े क्षेत्रों पर बाल संरक्षण पर जनजागरूकता का प्रचार प्रसार किया गया |

कुल केस	निस्तारित	प्रक्रिया में
148	142	06

ई मेल से चेताया और चाइल्ड लाइन ने रुकवाया बाल विवाह

चाइल्ड लाइन इण्डिया फाउंडेशन को ई-मेल के माध्यम से सूचना मिली की बरतु भीम में एक नाबालिग बालिका का बाल विवाह करवाया जा रहा है | बालिका के बारे में पर्याप्त जानकारी नहीं मिलने पर चाइल्ड लाइन टीम ने भीम थाने की सहायता से बालिका के नंबर लोकेशन करते हुए बालिका के घर पहुँच कर बालिका के माता पिता की समझाइश की और बालिका का बाल विवाह रुकवाया गया |

अपना जतन केन्द्र

अक्टूबर 2010 में गेबेको, जर्मनी के सहयोग से उदयपुर के नीमच माता कच्ची बस्ती (देवाली) क्षेत्र में अपना जतन केन्द्र की शुरुआत हुई। यह केन्द्र कमजोर और वंचित बच्चों के शैक्षणिक, भावात्मकऔररचनात्मक विकास सम्बन्धी जरूरतों को पूरा करने में सहयोग करता है। केंद्र पर स्कूल से वंचित और ड्राप आउट बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने हेतु केन्द्र पर हिन्दी, गणित, अंग्रेजी, विज्ञान, सामाजिक ज्ञान, संस्कृत और सामान्य जागरूकता जैसे विभिन्न विषयों पर कक्षाएं लगायी जाती है। साथ ही प्रत्येक मंगलवार और शनिवार को कला, शिल्प व खेल से सम्बंधित गतिविधियाँ करवाई जाती है। स्कूल जाने वाले बच्चे भी यहाँ अपरान्ह बाद इन विषयों पर कोचिंग सुविधा का लाभ उठाते हैं। इस वर्ष केंद्र पर कुल 50 बच्चों का नामांकन रहा | केंद्र पर आने वाले बच्चो को साप्ताहिक नियोजन के आधार पर पोषाहार दिया जाता है जिससे उनका शारीरिक और मानसिक विकास हो सके |

बच्चों को खेल-खेल में हिन्दी, गणित, अंग्रेजीविषय पर नियोजन के आधार पर विभिन्न पद्धतियों का प्रयोग करते हुए शिक्षण कार्यकरवाया जाता है | साथ ही शारीरिक व मानसिक विकास हेतु बच्चों के लिए नियमित रूप से खेल सत्रभी आयोजित किये जाते हैं |बच्चों के अपने ही घर में उनके पढ़ने के लिए बनाए जाने वाले 'मेरा कोना'की संख्या इस वर्ष 15 हो गयी है जहाँबच्चों को उसी स्थान पर स्वयं की शिक्षण सामग्री रखी हुई मिल सके और बच्चों मेंशिक्षा के प्रति उत्साह एवं रूचि बनी रहे | केन्द्र पर बच्चों व समुदाय के लोगों के साथ मिलकर त्यौहारों का आयोजन किया गया, जैसे – क्रिसमस डे, बसंत पंचमी, जन्माष्टमी, रक्षा बंधन, गरबा नृत्य, दशहरा, मकर संक्रांति आदि । साथ ही गाँधी जयंती, स्वामी विवेकानंद, बाल दिवस (नेहरु जयंती), सुभास चन्द्र बॉस, डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन जयंती आदि जयन्तियों का आयोजन किया गया|

नामांकन की स्थिति

पालना घर			वैकल्पिक शिक्षा			शिक्षा संबलन		
लड़के	लडकियां	कुल	लड़के	लडकियां	कुल	लड़के	लडकियां	कुल
15	10	25	25	15	40	27	18	45

नाटक कार्यशाला

नाट्यांशसंस्थान के सहयोग सेगर्मी की छुट्टियो में20बच्चोंके साथएक माह तक केन्द्र पर एक नाटक कार्यशाला का आयोजन किया गया और एकशिक्षाप्रद नाटक के प्रस्तुतीकरण के लिए महाराष्ट्र भवन में आयोजित समारोह में मंच प्रदान किया गया | इन्हींदिनोंकैंप में बच्चों के लिए क्राफ्ट, ड्राइंग, मेहँदी लगाने जैसी रचनात्मक गतिविधियां भी आयोजित की गई |

बागवानी

सप्ताह में एक बार गुरूवार के दिन बच्चों को बागवानी भीसिखाई जाती है | इसकेलिएहर सप्ताह एक कृषि विशेषज्ञ की सेवाएँ ली जा रही हैं | जोबच्चों को खाद बनाना, मिट्टी में बीज बोना, बीज से पौधा बनने की प्रक्रिया सिखाई जाती है | साथ ही पौधों में पानी कब–कब पिलाया जाना है इसके बारे में भीबच्चों को जाता है |

ज्ञानोदय परियोजना

राजस्थान के महत्वाकांक्षी जिलों में से एक करौली जिला में करौली ब्लॉक के 225 सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में उच्चगुणवत्तापूर्ण शिक्षा हेतु जतन संस्थान , नेशनल स्टॉक एक्सचेज फाउंडेशन एवं शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में यह परियोजना संचालित की जा रही है | परियोजना का मुख्य उद्देश्य बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु विद्यालयों को उत्कृष्टता केंद्र के रूप में प्रतिस्थापित कर पाना है साथ ही स्थानीय उर्जावान युवा साथियों के समूह को सशक्त कर पाना है जो प्रणालीगत या प्रक्रिया आधारित बदलाव लाने के लिए सक्षम हों | परियोजना द्वारा शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े नेतृत्वकर्ताओं की शैक्षणिक एवं नैतिक जिम्मेदारियों को सुदृढ़ करने के साथ-साथ ब्लॉक में हुए सभी नवाचारों को एवं नई विचारधाराओं को जिला और राज्य स्तर पर साझा करने का महत्वपूर्ण कार्य भी किया जा रहा है |

ज्ञानोदय परियोजना के कार्य को 3 स्तर पर समझा जा सकता | ब्लॉक स्तर पर - CBEO और पंचायत स्तर पर PEEO के साथ काम करते हुए ब्लॉक लीडरशिप को मजबूत करने और ब्लॉक रेंकिंग सुधार करने का कार्य | स्कूल स्तर पर -37 उर्जावान युवा शिक्षा मित्रों के माध्यम से शिक्षक और प्रधानाध्यापकों के साथ निर्देशात्मक अभ्यास , जीवन कौशल , साक्षरता , और संख्यात्मक कौशल पर क्षमता निर्माण करने का कार्य और समुदाय स्तर पर - माता-पिता, स्थानीय युवा और SMC सदस्यों के साथ करते हुए स्कूल के प्रति समुदाय के स्वामित्व और स्थिरता का निर्माण करने का कार्य | इस वर्ष ज्ञानोदय परियोजना में 10,200 बच्चों तक ऑडियो के माध्यम से पढ़ाने को लेकर तथा कक्षा-कक्ष की रोचकता एवं नवाचार, 500 से अधिक नित नयी शाला सामग्री का निर्माण एवं प्रयोग, 227 शिक्षकों के साथ गतिविधि एवं अनुभव आधारित प्रशिक्षण, 52 स्वयंसेवी युवा के साथ कार्यशाला, SMC अध्यक्ष प्रशिक्षण एवं 1500 से अधिक सदस्यों की सहभागिता, 32 पंचायतों में "ज्ञानोत्सव", 52 गावों में 'कवच' टीकाकरण जागरूकता, स्वेच्छा पात्र में स्टाफ द्वारा सहयोग राशि 4157/- अनुदान के रूप में प्राप्त की गई है | साथ ही 10,681 बच्चों से घर-घर संपर्क, 55 मोहल्ला बैठकें तथा 'स्कूल चले हम' नुक्कड़ नाटक के माध्यम से चयनित पंचायतों में नामांकन अभियान चलाया गया जिसमे 1200 से अधिक बच्चों का नामांकन किया गया |

वर्ष 2020 से 2022 तक 150 विद्यालयों में शिक्षा के साथ साथ भयमुक्त वातावरण प्रदान कर पाने में, रोचक एवं रचनात्मक कार्यक्रम से सरल और अर्थपूर्ण शिक्षा का अनुभव कर पाने में तथा समुदाय एवं विद्यालय के बीच सकारात्मक और मधुर संबंध स्थापित कर पाने में जो भी सफलता और उपलब्धियां हासिल की गई हैं उसमें सभी हितधारको के अथक प्रयास, सहयोग और उत्साह का महत्वपूर्ण योगदान है |

शाला व्यवस्थापन समिति : "शिक्षा हमारी पूरी जिम्मेदारी"

करौली जिले में 225 विद्यालयों के साथ एक सकारात्मक सहयोग अभियान चलाया गया जिसका नाम रखा गया "शिक्षा हमारी पूरी जिम्मेदारी" | एक बच्चे का सम्पूर्ण विकास और प्रगति होना यह सिर्फ विद्यालय की ही जिम्मेदारी कैसे हो सकती है ? ज्ञानोदय परियोजना में प्रथम चरण के दौरान विद्यालयों के साथ जुड़ते हुए विभिन्न समस्याओं का परिचय हुआ और यह देखने को मिला कि समुदाय का योगदान बिलकुल नहीं था और विद्यालय और समुदाय के बीच आपसी संवाद नहीं होने के कारण कई तरह की समस्याएं जिम्मेदारी लेने का अभाव था | इसके लिए परियोजना स्तर पर SMC की स्कूल के विकास में 100% प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए "शिक्षा हमारी पूरी जिम्मेदारी" अभियान चलाया गया और 150 स्कूलों की SMC के साथ विषयवस्तु के सत्र की व्यवस्थित योजना बनाकर सकारात्मक, गतिविधि आधारित तार्किक संवाद किया गया | कार्यक्रम की मुख्य थीम (जिम्मेदारी) 1) गुणवत्ता युक्त शिक्षा, 2) व्यवस्था में सुधार, 3) स्वच्छ - स्वस्थ शाला, 4) सभी बच्चों का सम्मान और सुरक्षा और 5) विद्यालय विकास का योग्य क्रियान्वयन रही |

GYANODAYA – Project status – Block – Community & Team level

GYANODAYA – Project status – school level

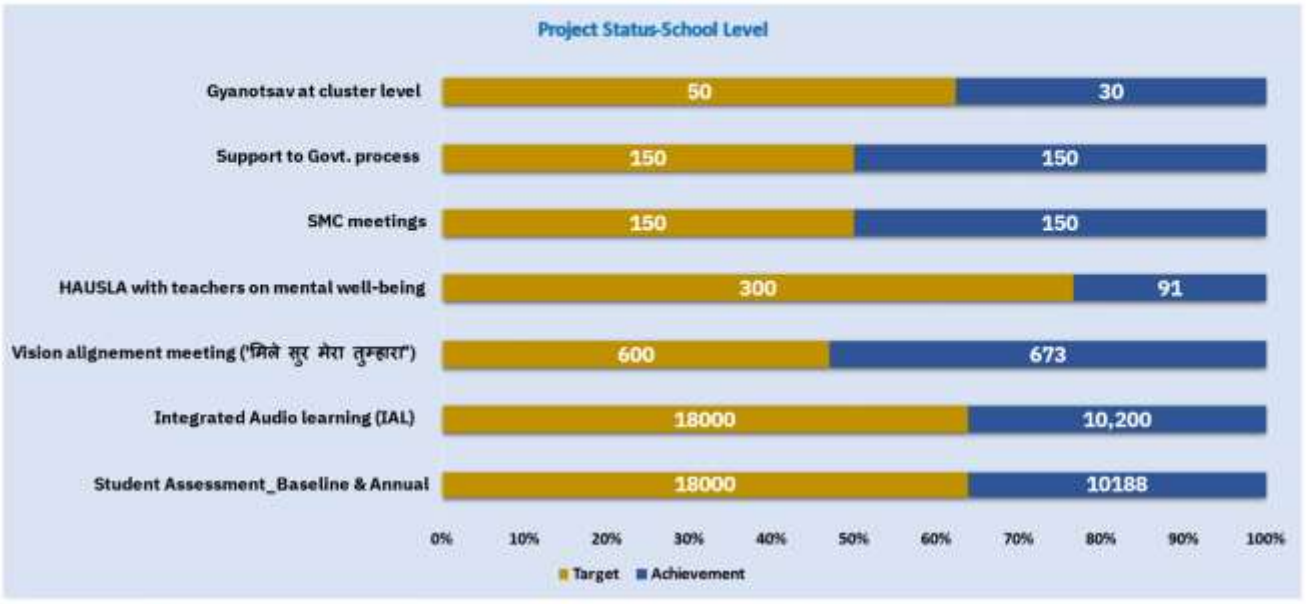

दिगंत परियोजना

उदयपुर जिले के कोटडा तहसील के मांडवा और झेड पंचायत के विद्यालय में क्षमतालय संस्थान और एजुकेट फॉर लाइफ के तकनीकी सहयोग के साथ संचालित ये परियोजना शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत है। कार्यक्रम का उद्देश्य उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्र-छात्राओं को शैक्षणिक सहयोग और मार्गदर्शन द्वारा स्कूली शिक्षा पूरी करने में सहायता करना है और विद्यालय में सतत शिक्षण व्यवस्था को बनाये रखने के साथ विभाग को जागरूक करने के लिए प्रयास करना है।

दिगंत समन्वयक के द्वारा विद्यालय में आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों जैसे शिक्षक अभिभावक बेठक, विद्यालय विकास एवम प्रबंधन समिति बेठक, राष्ट्रीय पर्व, सांस्कृतिक उत्सव आदि में समुदाय की सहभागिता सुनिश्चित की जाती है। साथ ही समन्वयक द्वारा विद्यार्थियों की नियमित अनुपस्थिति के चलते समन्वयक द्वारा समुदाय का दौरा किया जाता है। और राज्य सरकार की ओर से चलाई जा रही विभिन्न योजना की जानकारी प्रदान की जाती है और अभिभावकों को विद्यार्थियो की शिक्षा की ओर जागरुकता लाने के लिए विद्यालय से जोड़ा जाता है।

गतिविधि आधारित शिक्षण

इस परियोजना के तहत शिक्षा समन्वयक शिक्षण कार्य के दौरान विद्यार्थियो के सामाजिक - भावनात्मक ओर नैतिक विकास के लिए गतिविधि आधारित शिक्षण पद्धति का प्रयोग करते है। उनकी माध्यमिक शिक्षा स्तर को पूर्ण करने तक विद्यार्थियो में संख्या ज्ञान, जीवन कोशल, डिजिटल साक्षरता , ओर आधारभूत ज्ञान को विकसित करना लक्ष्य रहता है।

इन सभी गतिविधियों ओर गुणवत्तापूर्ण शिक्षण के माध्यम से विद्यार्थियो में पूर्ण प्रेरणा और आत्मविश्वास को जागरूक करते हैं ताकि वे माध्यमिक स्तर की शिक्षा पूरी करने के बाद भी शिक्षा से जुड़े रहें |वर्ष 2021- 22 के दौरान दोनों विद्यालय में कुल विद्यार्थियो का नामांकन 326 था। जिनमे से मांडवा विद्यालय के 125 विद्यार्थियो की उपस्थिति 50 से 75 प्रतिशत के मध्य रही | झेड विद्यालय में 74 विद्यार्थियो की उपस्थिति 50 से 75 के मध्य रही है।

साथ ही मांडवा एवम झेड विद्यालय के विद्यार्थियों ने बोर्ड कक्षा में अच्छे परिणाम प्राप्त कर कोटडा तहसील के विद्यालयों की तुलना में श्रेष्ठ परिणाम दिया है। विश्व के 100 बेहतरीन विद्यालयों में मांडवा स्कूल ने अपनी जगह बनाई है जिसे सभी की सराहना मिली है | इसका कारण जनसहयोग से इस स्कूल की काया को पलट देना रहा | यहाँ शिक्षा की तस्वीर पूरी तरह से बदल चुकी है जो विभिन्न चुनौतियों का सामना करने के बाद बन पाई है | इसके लिए क्षमातालय फाउंडेशन के साथ एजुकेट फॉर लाइफ, जतन संस्थान, एडलगिव फाउंडेशन, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के साथ स्थानीय लोगों, शिक्षकों और जनप्रतिनिधियों के योगदान को भी सराहा जा रहा है |

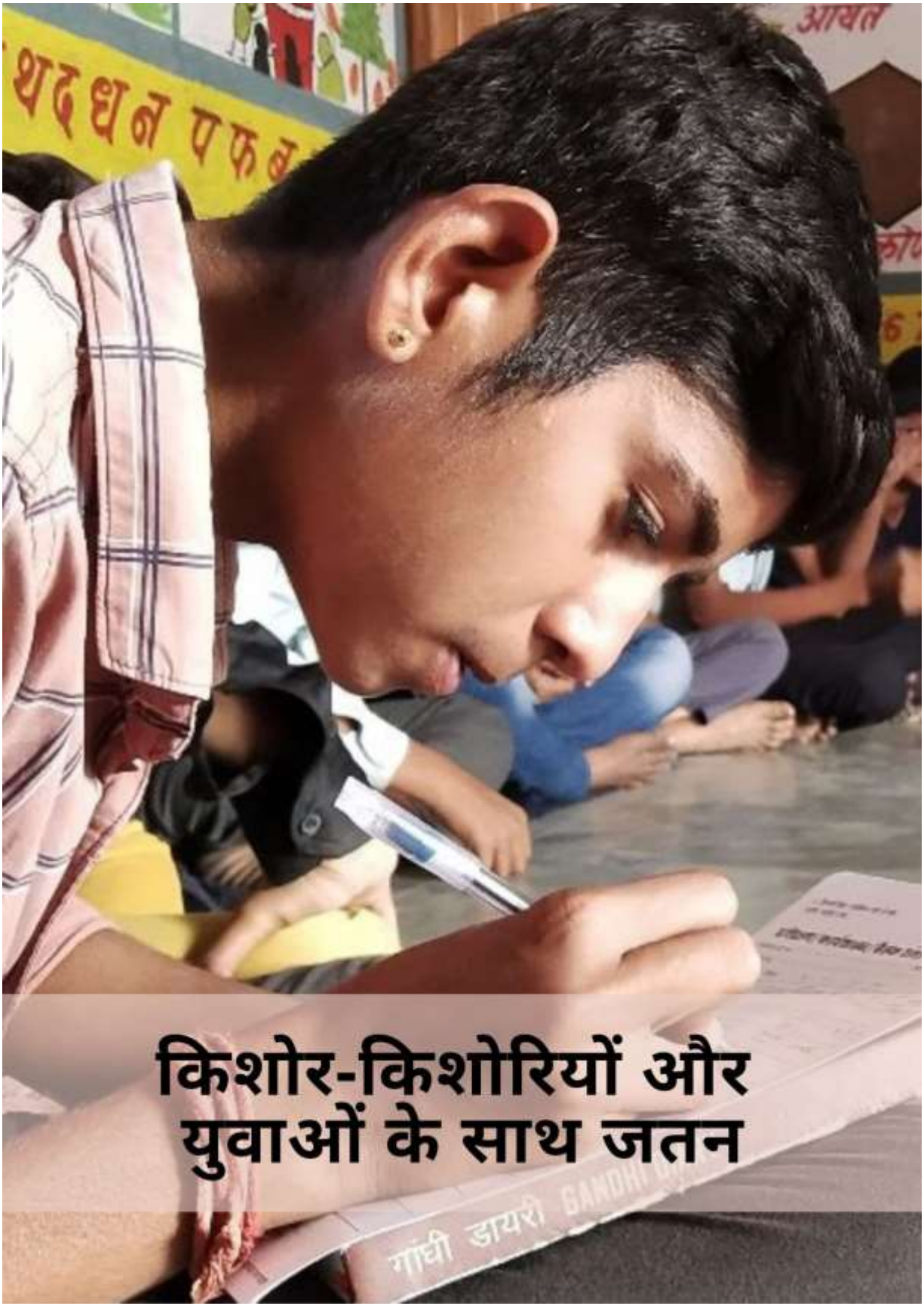
किशोर-किशोरियों और
युवाओं के साथ जतन

जेम्स फॉर बॉयज (जेण्डर इक्विटी मूवमेंट इन स्कूल्स)

GEMS प्रोग्राम का सञ्चालन उदयपुर और सिरोही जिलों के 04 ब्लॉक्स के 400 स्कूलों में प्रशिक्षित शिक्षकों के साथ पिछले 3 वर्षों से किया जा रहा हैं । यह प्रोग्राम खेरवाड़ा ब्लॉक में राजकीय उच्च प्रा./सैकंडरी/सी.हा.सैकंडरी स्तर के 94 विद्यालयों के साथ जतन संस्थान द्वारा ICRW, शिक्षा विभाग व RSCERT-उदयपुर के सहयोग से क्रियान्वित किया जा रहा हैं।

इस परियोजना से कक्षा 7 व 8 के लगभग 4,000 छात्र जुड़े हुए हैं। परियोजना का मुख्य उद्देश्य समानता को बढ़ावा देना, पुरुषत्व या पुरुष होने से जुड़े स्वीकार्य और अपेक्षित सामाजिक नियमों की पुनर्व्याख्या करना और सभी प्रकार की हिंसा का विरोध करने के साथ समानता की सोच को विकसित करना हैं।

विद्यालयों में आयोजित सत्रों ओर कार्यशालाओं में सहभागी पद्तियाँ, जैसे - रोल-प्ले, खेल, कहानी, वाद-विवाद प्रतियोगिता, समूह चर्चाएँ, अनुभव बांटना, पोस्टर निर्माण, मूल सन्देश लेखन का का प्रयोग किया जाता है | इसका सीधा प्रभाव छात्रों के व्यव्हार पर देखने को मिल रहा है | अब वे जेण्डर समानता के सही अर्थ को समझाने लगे हैं , पुरुषत्व की रुढ़िवादी अवधारणा को बनाये रखने वाले सामाजिक नियमों के दबाव को चुनौती देने की तैय्यारी करने लगे हैं और हिंसा के मुद्दों पर चर्चा के साथ आत्म चिंतन भी कर रहे हैं।

ये सत्र कक्षाओं में, विद्यालय समय के दौरान प्रशिक्षित शिक्षकों द्वारा जतन संस्थान फील्ड टीम के सहयोग से बारी-बारी से आयोजित किये गए।

इस वर्ष परियोजना के अंतर्गत 94 विद्यालयों और गाँव/फलों में समुदाय एवं स्कूल स्तर का डाटा संकलन कार्य कर समुदाय स्तर की जानकारी प्राप्त की गई | 22 विद्यालयों में समुदाय के लिए आमुखीकरण कार्यक्रम का कार्य पूरा किया गया जिसमे 104 महिलाओं और 168 पुरुषों सहित कुल 272 सदस्यों की भागीदारी रही |

कक्षा-7 व 8 के छात्रों के लिए जेंडर आधारित सत्रों का आयोजन किया गया | समुदायिक सहयोग से 54 सरकारी विद्यालयों में कुल 3919 बॉयज के साथ मैपिंग वर्क पूर्ण किया गया। और स्कूल स्टाफ, SDMC/ SMC, PRI, आंगनवाडी वर्कर्स व अभिभावकों के लिए 10 संकुलों के 52 स्कूल्स में आमुखीकरण कार्यक्रम आयोजन किया गया | 94 विद्यालयों के संस्था प्रधानों के साथ एक दिवसीय बैठकें आयोजित कर जतन संस्थान व ICRW के कार्यक्रमों/ परियोजनाओं के साथ जेम्स कार्यक्रम की आगामी आयोजना पर समूहवार कार्य किया गया।

राजस्थान में कोविड-19 के बाद के परिदृश्य में सामुदायिक जुड़ाव और किशोर सशक्तिकरण द्वारा बढ़ती विद्यालय भागीदारी और ठहराव

यूनिसेफ़ जयपुर के सहयोग और मार्गदर्शन में संचालित इस कार्यक्रम द्वारा जहाँ एक और आदिवासी अंचल डूंगरपुर में स्थानीय समितियों को सशक्त करने का कार्य किया जा रहा है वहीँ दूसरी और छात्र-छात्राओं और शिक्षकों में गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा के साथ जेंडर सम्बन्धी संवेदनशीलता लाने के लिए प्रशिक्षण और राज्य स्तरीय पैरवी के कार्य को अंजाम भी दिया जा रहा है | इस वर्ष भी इस कार्य को आगे बढ़ाते हुए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया |

राज्य स्तर पर किये गए कार्य और समन्वय

समग्र शिक्षा अभियान(कम्युनिटी सेल) के लिए पंचवर्षीय कार्ययोजना योजना बनाई गयी | वालंटियर के लिए राज्य दिशानिर्देश विकसित तैयार करना बाल पत्रिका के लिए विकसित राज्य दिशानिर्देश जारी करवाना | जेंडर और सकारात्मक मर्दानगी पर मॉड्यूल निर्माण करना | वालंटियर के लिए मॉड्यूल निर्माण करना विद्यालयों के वालंटियर के सुदृढ़ीकरण के लिए राजस्थान के सभी जिलो के केआरपी का राज्य स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित किया । राज्य स्तर पर MHM पर उन्मुखीकरण का आयोजन किया। गार्गी ई- पत्र बनाकर सर्कुलेट की गयी |

SMSA (CM Cell) के लिए पंचवर्षीय योजना का विकास

पंचवर्षीय योजना समग्र शिक्षा अभियान कम्युनिटी सेल के लिए वर्ष 2021-2026 तक की योजना विकसित की गई थी, जो सामुदायिक मोबिलाइजेशन सेल पर केंद्रित थी और आगे की मंजूरी के लिए विभाग को प्रस्तुत की गई और बजट आवंटन के लिए मंत्रालय को भेजी गई | नई शिक्षा नीति पर चर्चा करवाकर विषयवार गतिविधियां के प्रारूप को आगे की समीक्षा और प्रतिक्रिया के लिए आंतरिक टीम के साथ साझा करना और सुझाव/फीडबैक को प्रदान किए गए | आंतरिक टीम और आगे सरकार को प्रस्तुत करने के लिए अंतिम रूप दिया गया | योजना का लक्ष्य जो राष्ट्रिय शिक्षा नीति के साथ संरेखित है, संसाधनों के बंटवारे को सुविधाजनक बनाने और 2026 तक स्कूल प्रशासन को अधिक स्थानीय, प्रभावी और कुशल बनाने के लिए स्कूलों को समूह बनाने और युक्तिसंगत बनाने के लिए अभिनव तंत्र को अपनाना है। योजना में प्रमुख गतिविधियों को बाल समारोह के सुदृढ़ीकरण के रूप में प्रस्तावित किया गया । अपनी लाडो, सामुदायिक जागरूकता दिवस, ब्लॉक एवं जिला स्तरीय कार्यशाला, व्यापक रूप से राज्य स्तर पर स्वयंसेवकों की संलग्नता, स्वयंसेवकों की क्षमता निर्माण और एकीकृत पोर्टल को बढ़ावा देने पर आई.ई.सी. मटेरियल तैयार किये गए |

जिला स्तरीय इंटरवेंशन

जेंडर,पोषण और माहवारी स्वच्छता प्रबंधन से मुद्दों पर राजीविका के साथ प्रशिक्षण मार्दार्शिका तैयार करके डूंगरपुर, बारां व बूंदी जिलो में राजिविका के वीओए के साथ प्रशिक्षण दिया गया तथा राज्य स्तर पर सभी जिलो के रजिविका प्रशिक्षको का प्रशिक्षण किया गया | जतन संस्थान और और अन्य एनजीओं के साथ माहवारी स्वच्छता प्रबंधन पर तीन दिवसीय प्रशिक्षको का प्रशिक्षण आयोजित किया गया | वालंटियर के साथ इंट्रोडक्शन कार्यशाला आयोजित किया गया | विद्यालय प्रबंधन के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम। घर पर सीखने के लर्निंग कॉर्नर बनवाएं गए |

जेंडर और सकारात्मक मर्दागनी पर मॉड्यूल का निर्माण

हमारे संविधान के दो मूलभूत पहलुओं समानता और गैर-भेदभाव की अवधारणाओं की बेहतर समझ के लिए, बुनियादी अवधारणाओं को समझने की आवश्यकता है, जैसे लिंग और लिंग के बीच अंतर, लैंगिक भूमिकाएं, लैंगिक रूढ़िवादिता, श्रम का लैंगिक विभाजन, लैंगिक भेदभाव, लिंग आधारित हिंसा, मर्दानगी, पितृसत्ता, लैंगिक समानता इत्यादि। इन अवधारणाओं को समझना आवश्यक है क्योंकि "जेंडर प्रश्न केवल महिलाओं और पुरुषों के बारे में नहीं है और ना ही वे कैसे बातचीत करते हैं, अपितु इन अवधारणाओं को समझने से लोगों को समाज में प्रचलित लिंग

पूर्वाग्रहों को रोकने के बारे में संवेदनशील बनाने में मदद मिलेगी और लड़कियों और महिलाओं को उनके लक्ष्य प्राप्त करने में मदद मिलेगी | सकारात्मक मर्दानगी को समझना और किसी के कार्य क्षेत्र के संदर्भ में अवधारणा को कैसे अभ्यास और बढ़ावा दिया जा सकता है। इन सब बातों को ध्यान में रखते हुए एक प्रशिक्षण मार्गदर्शिका विकसित की गयी है जो कार्यकर्ताओं के लिए बहुत उपयोगी हो सकती है |

वालंटियर के लिए मॉड्यूल का निर्माण व प्रशिक्षण

स्वयंसेवी संलग्नता पर विकसित राज्य दिशानिर्देश के प्रभावी कार्यान्वयन और अधिक समझ के निर्माण के लिए KRP की क्षमता निर्माण के लिए एक मॉड्यूल विकसित किया गया है ताकि वे जिला और ब्लॉक स्तर पर अवधारणा को वितरित कर सकें। मॉड्यूल का उद्देश्य है शिक्षक और माता-पिता के साथ-साथ गांव/स्कूल स्तर पर स्वयंसेवक एक सेतु के रूप में बच्चों की शिक्षा जारी रखने में सहयोग करे और लड़के/लड़की के लिए एक आरामदायक वातावरण बनाएं। विद्यालय के प्रति बच्चों का आकर्षण बनाए रखने स्वयंसेवकों के सुदृढ़ीकरण के लिए KRP का राज्य स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित किया - स्कूल और घरेलू स्तर पर स्वयंसेवी जुड़ाव को मजबूत करने के लिए KRP के साथ एक दिवसीय भौतिक उन्मुखीकरण आयोजित किया। प्रशिक्षण विकसित राज्य दिशानिर्देश, स्वयंसेवकों की प्रभावी भागीदारी पर शिक्षकों की भूमिका, जिला और राज्य स्तर पर विकसित मॉड्यूल पर प्रशिक्षण देने के लिए प्रशिक्षकों के रूप में निर्माण पर KRP के बीच समझ बनाने पर केंद्रित था। लगातार तीन प्रशिक्षण में 210 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

माहवारी स्वच्छता प्रबंधन पर राज्य स्तरीय आमुखीकरण

MHM पर KRP के साथ राज्य के शिक्षा विभाग और SCO की भागीदारी के साथ एक दिवसीय आमुखीकरण का आयोजन किया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य पिछले वर्ष में किए गए कार्यों के अनुभवों/चुनौतियों को साझा करना, और किशोरों से सीधे संबंधित माहवारी से जुड़े मुद्दों पर विशेष ध्यान देने के साथ वर्तमान वर्ष में पेश किए गए मुद्दों की अवगत करना था। प्रशिक्षण सत्र के दौरान स्वच्छता, धुलाई और उसकी सफाई और इस स्थिति में पुरुष सदस्यों की भूमिका और MHM के मुद्दे के प्रति उनका सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करना आदि विषयों को कवर किया गया था। COVID-19 महामारी और लगातार लॉकडाउन के संदर्भ में SMC सहित अन्य कर्तव्य धारकों को शामिल करके MHM गतिविधि के प्रभावी निष्पादन के बारे में भी चर्चा की गई। परिवार के भीतर इस स्थिति में लड़कों और पुरुषों की भूमिका महत्वपूर्ण है। प्रशिक्षण कार्यक्रमों में 180 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

इसके अतिरिक्त संस्थान द्वारा भी राजसमन्द में फ़रवरी 2022 में अन्य संस्थाओं के कार्यकर्ताओं के लिए 'जेंडर और माहवारी स्वच्छता प्रबंधन' विषय पर 3 दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया | यह प्रशिक्षण 'प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण' था ताकि इस मुद्दे पर व्यापक स्तर पर समझ बनाई जा सके |

गार्गी न्यूजलैटर

त्रैमासिक ई-गार्गी न्यूजलैटर तैयार किया गया है और व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए फीडबैक, अनुमोदन और विभागीय वेब पोर्टल पर अपलोड करने के लिए इसे शिक्षा विभाग के साथ साझा किया गया है। इन दो तिमाहियों यानी जनवरी से मार्च 2022 और अप्रैल से जून 2022 में कवर की गई सामग्री और विकसित ई-पत्रिका में कई वर्तमान विषयों जैसे- कोविड-19 पर उचित व्यवहार, बच्चों को एक सक्षम वातावरण प्रदान करने के लिए माता-पिता की भूमिका, टीकाकरण का महत्व, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाने का महत्व और समाज में महिला नेताओं का योगदान । यह वर्तमान सामग्री वर्तमान स्थिति के अनुसार सभी पहलुओं को कवर करती है।

OOSC की मैपिंग और स्कूल से जोड़ना

कई बच्चे कोविड महामारी, लगातार लॉकडाउन, और परिवार द्वारा आजीविका के अवसर खो देने, कोविड के कारण परिवार में अप्रत्याशित मौत या इस समय के दौरान अन्य संकट के कारण स्कूल से बाहर हो सकते हैं और नियमित शिक्षा से वंचित हो गए । बच्चों को वापस स्कूल से जोड़ना परियोजना का महत्वपूर्ण घटक है | जहां हम बच्चों को नियमित स्कूली शिक्षा पैटर्न से जोड़ने के लिए स्कूल प्रबंधन समिति को शामिल करने की कोशिश कर रहे हैं।

कोविड-19 के दौरान और बाद में SMC/SDMC की भूमिका

कोविड-19 के दौरान और बाद में नियमित शिक्षा की निरंतरता कैसे सुनिश्चित करें ? कोविड-19 के बाद स्कूल की तैयारियों के बारे में चर्चा करने के लिए किन बातों पर ध्यान दें ? अपने बच्चों को स्कूल भेजने के संबंध में माता-पिता के विश्वास को कैसे बनाए रखें ? जैसे महत्वपूर्ण प्रश्नों के समाधान के लिए प्रशिक्षण आयोजित किये गए जिनमे कुल 105 SMC/SDMC सदस्यों ने भाग लिया। | प्रशिक्षण में प्रयुक्त सत्र माता-पिता के साथ-साथ SMC/SDMC को बच्चों के स्कूल में पुनर्निर्माण के लिए समुदाय को शामिल करने की प्रक्रिया में भी सहायता करते हैं।

महिलाओं के सम्मान और
सशक्तिकरण के लिए...

महिला सुरक्षा एवं सलाह केंद्र

वर्ष 2012 से महिलाओ के विरूद्ध हिंसा को रोकने और हिंसा की शिकार महिलाओं को परामर्श, पैरवी और कानूनी सहयोग व मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के लिए प्रत्येक जिले में परिवार परामर्श केन्द्र संचालित किये गये है इसी क्रम मे जतन संस्थान व महिला अधिकारिता के साथ मिलकर डूंगरपुर जिले के पुलिस थाने में 'महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्र' का सञ्चालन किया जा रहा है, जिसका मूल उद्देश्य महिलाओं के लिए समाज में को हिंसामुक्त व भय मुक्त वातावरण बनाए रखना और उन्हे अपने मूल अधिकारों के प्रति जागरूक करना है। इस दिशा मे संस्थान द्वारा महत्वपूर्ण प्रयास किये है संस्थान का प्रयास कार्यवाही करने में नही बल्कि शांति पूर्ण तरीके से दोनों पक्षो का बिठाकर सुलह कराने मे है ताकि गलतफहमियो को दूर कर फिर से प्रेमपूर्ण सम्बन्ध स्थापित हो। केंद्र द्वारा नियमित रूप से महिलाओ को सेंवाएँ प्रदान की जा रही है। केंद्र की अपनी विशिष्ठ पहचान स्थपित हो गयी है जिसे स्थानीय पुलिस थाने द्वारा मान्यता देते हुए विभिन्न प्रकरणों को परामर्श के लिए संस्थान के परामर्श केन्द्र पर रेफर किया जाता है।

केन्द्र द्वारा अप्रेल 2021 से 31 मार्च 2022 तक प्राप्त शिकातों का विवरण

दहेज सम्बन्धी	मारपीट	यौन शोषण	आर्थिक हिंसा	मानसिक उत्पीडन	भरण पोषण	संतान सम्बन्धी	विवाह सम्बन्धी	अवैध सम्बन्ध	कुल योग
6	90	01	0	0	12	01	02	14	126

कुछ प्रकरणों मे महिलाओ को रहने के लिए आश्रय की व्यवस्था की गई व कुछ प्रकरणों में महिलाओं को बच्चा दिलवाने में मदद की गई तथा महिलाओं को स्त्रीधन दिलवाने में मदद की गई। महिलाओं को साझी गृहस्थी में आवास सुविधा उपलब्ध करवाई गई महिलाओ को निःशुल्क विधिक सहायता के अन्तर्गत महिलाओं को विधिक सहायता दिला कर मदद दी गई।एक महिला को घरेलू हिंसा मे मुकदमा दर्ज कराया गया। एक महिला जिसके 4 बच्चे थे और पति नही रख रहा था न ही उसे खर्चा दे रहा था उस महिला के लिए आवास व्यवस्था कराई गई | कुछ समय बाद महिला के पति को अहमदाबाद से बुलाकर दोनों का साथ परामर्श किया गया | जिस पर परूष व महिला दोनो ने साथ रहना तय किया |

परिवार परामर्श केंद्र

जतन संस्थान द्वारा रेलमगरा में परिवार परामर्श केंद्र का सञ्चालन अपने स्तर पर ही किया जा रहा है | इसके लिए विगत कई वर्षों से संस्थान द्वारा अपने कार्यकर्ताओं को इस विषय पर प्रशिक्षण के माध्यम से पारंगत बनाने का प्रयास किया जाता रहा है, जिसके चलते इस विषय पर एक कोर टीम बनी है जो उक्त मामलों में परिवारों को बचाने में सहयोगी साबित हो रही है |

कोविड-19 महामारी व सोशल मिडिया से प्रभावित मानसिक स्वास्थ्य के चलते परिवाद में बदलाव आये है | अब हिंसा के साथ महिलाओं को बच्चो को आर्थिक समस्या बढ़ गई है | परिवार परामर्श केंद्र पर महिलाओं और बच्चों के विरुद्ध बढ़ते अत्याचारों की घटनाओं और परिवार में मतभेद और असमायोजन की समस्या तथा इन समस्याओं के मूल में विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक, मनोवैज्ञानिक और आर्थिक कारण जुड़े होते हैं। केंद्र पर पारिवारिक समस्याओं जैसे दहेज के लिए मारपीट करना, घरेलू बातों को लेकर झगड़े आदि मामले भी आते है उक्त प्रकरणों में पारिवारिक सलाह कर साथियों ने सूझबूझ से समस्याओं का हल निकाले है |

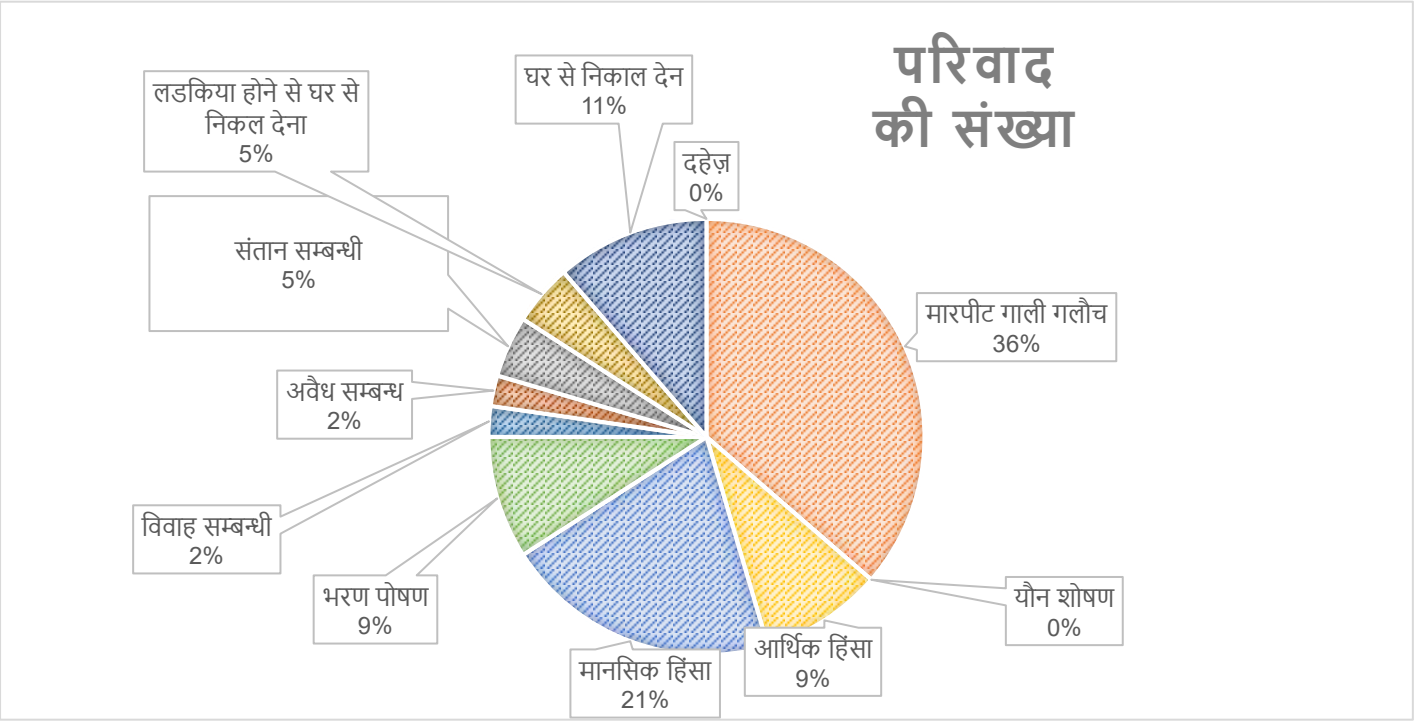

परिवार परामर्श केन्द्र द्वारा अप्रेल 2021 से 31 मार्च 2022 तक प्राप्त शिकातों का विवरण

घर से निकाल देना	मारपीट	लड़की होने पर घर से निकल देना	आर्थिक हिंसा	मानसिक उत्पीडन	भरण पोषण	संतान सम्बन्धी	विवाह सम्बन्धी	अवैध सम्बन्ध	कुल योग
5	16	02	04	09	04	02	01	01	21

सुमा परियोजना

राजस्थान सुरक्षित मातृत्व गठबंधन का संचालन वर्ष 2002 से चेतना-अहमदाबाद द्वारा किया जा रहा है। व्हाइट रिबन एलायन्स इन्डिया, राजस्थान की स्वैच्छिक संस्थानों के साथ मिलकर 'सुमा' राजस्थान सुरक्षित मातृत्व गठबंधन की शुरुआत की गई थी | 'सुमा' द्वारा विभिन्न संस्थाओं के साथ मिलकर गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं तक महिलाओं की पहुँच सुनिश्चित करने के लिए पैरवी की जा रही है |

मिडवाइफ के साथ 'हमारी आवाज सुनो' अभियान

व्हाईट रिबन एलायन्स ने व्हाट विमेन वांट -मिडवाइव्स अभियान चलाया है जिसके तहत राजस्थान के राजसमन्द से सुमा 300 मिड वाइव्ज़ से मांग एकत्रित की गयी जिसके तहत कि उनसे एक महत्वपूर्ण सवाल का जवाब लिया था |सर्वे में एएनएम/जीएनम .नर्स की भूमिका बेहतर निभाने के लिए आपकी क्या मांग है |केवल एक मांग जतन संस्थान द्वारा राजसमन्द,रेलमगरा व खमनोर ब्लॉक के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, उप स्वास्थ्य केंद्र पर नियुक्त स्टाफ से यह लिंक पढ़कर ऑनलाइन जानकारी फीड करवाया गया | राजसमंद के दोनों नर्सिंग कॉलेज व नाथद्वारा का श्रीजी नर्सिंग के स्टूडेंट से यह फॉर्म भरवाया गया |

ऑनलाइन बैठक से अधिकारियों तक रखी अपनी मांग

इसके लिए महिला नेताओं को **'हमारी आवाज सुनो'** अभियान की रूपरेखा से अवगत करवाया गया | इन महिला नेताओं ने स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर करने हेतु महिलाओं की मांगे रखी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रेलमगरा पर ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी के सम्मुख रखी | जननी सुरक्षा दिवस के उपलक्ष्य में 20 महिला लीडर द्वारा 50 महिलाओं जिनकी डिलीवरी अप्रैल 2020 से मार्च 2021 के दौरान हुई उनसे पुछा कि वे स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर करने में क्या चाहती हैं ? तब महिलाओं ने अपनी मांग बताई उन्हें इकठ्ठा करके एक मांग पत्र में तैयार किया गया |

रोगी कल्याण समिति की बैठको में जुड़ना

जतन संस्थान द्वारा सुरक्षित मातृत्व के तहत लगातार रूप से रेलमगरा ब्लॉक के सामुदायिक चिकित्सा केंद्र पर रोगी कल्याण समिति में सदस्य के रूप में जुडा हुआ है उसी के तहत मुख्य चिकित्सा एवम स्वास्थ्य अधिकारी राष्ट्रसहाना आजाद की अध्यक्षता में इस वर्ष दो बार बैठक में भाग लिया और सामुदायिक चिकित्सा केंद्र के अस्पताल में जरुरी बदलाव के लिए महत्वपूर्ण निर्णयों पर चर्चा कर आगे बढाये गए जिसके तहत नए निर्माण करना प्रमुख था | जतन संस्थान सुरक्षित मातृत्व पर किये गए महत्वपूर्ण कार्यों से अवगत करवाया गया |

उगेर परियोजना

"उगेर" का अर्थ दक्षिण राजस्थान की मेवाड़ी भाषा में "नई शुरुआत" है। यह मासिक धर्म के बारे में चुप्पी तोड़नेऔर जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से मासिक धर्म स्वास्थ्य का प्रसार करने पर केंद्रित एक आंदोलन है। हम पुन: **प्रयोज्य** क्लॉथ सैनिटरी नैपकिन पैड के उपयोग को बढ़ावा देते हैं, जिसे सस्टेनेबिलिटी फ्रेमवर्क का उपयोग करकेकठोर शोध के माध्यम से विकसित किया गया है।

महिलाओं के साथ

नए अनुभव और नई सीख इस वित्तीय वर्ष के मुख्य आकर्षण थे। मासिक धर्म प्रबंधन दुनिया भर में मासिक धर्म के लिए निरंतर चुनौतियों का सामना कर रहा है।जेलों या महिलाओं के आश्रय गृहों जैसे सीमित स्थानों में मासिक धर्म के स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती की बाधाएं बढ़ जाती हैं | कई महिलाओं को अपने परिवारों से कोई समर्थन नहीं मिलता है | इन परिस्थितियों में जेल में कैदी के रूप में रह रही महिलाओं को उनके मासिक धर्म अपने मूल प्रजनन अधिकारों, अवशोषक के अधिकार या स्वच्छता जागरूकता और सुविधाओं के अधिकार से रहित हैं।

जतन संस्थान द्वारा स्पार्क मिंडा, हरियाणा द्वारा उगेर परियोजना को हरियाणा राज्य की 12 जेलों में माहवारी स्वच्छता प्रबंधन पर सत्र आयोजित करने के लिए शुरू किया गया था ताकि कैदियों के बीच माहवारी स्वच्छता प्रबंधन की प्रथाओं में सुधार किया जा सके। टीम ने 612 महिला कैदियों के साथ इस प्रशिक्षित किया | माहवारी पर चुप्पी तोड़ने इसके प्रबंधन से जुड़े उपाय और कपडे से निर्मित उगेर पेड की सिलाई और इसे बनाने के तरीको पर बात की और माहवारी से जुडी झिझक, शंकाओं इत्यादि को एक किताब के रूप में तैयार किया गया था | यह किताब "सीधी सच्ची बात" (माहवारी से जुड़े अनुभवों) प्रदान की गई।पुस्तिका को पहले यूनिट द्वारा डिजाइन किया गया था, इसे स्पार्क मिंडा द्वारा अनुकूलित किया गया था (क्योंकि उगेर परियोजना अपनी सभी प्रोडक्ट के लिए कॉपी लेफ्ट नीति का समर्थन करती है)

उगेर यूनिट की टीम के सदस्यों ने इस वित्तीय वर्ष में कई अलग-अलग स्थानों की यात्रा की - मासिक धर्म स्वास्थ्य सत्र और DIY (डू इट योर सेल्फ) पैड बनाने के सत्र आयोजित किए।जल सहायता के सहयोग से टीम ने गया (बिहार), डिंडोरी (मध्य प्रदेश) और कांकेर (छत्तीसगढ़) जैसे स्थानोंमें महिलाओं के साथ कार्यशालाएं आयोजित कीं।

किशोरियों के साथ।

अगस्त 2021 में - वेलकम ग्रुप ग्रेजुएट स्कूल ऑफ़ होटल एडमिनिस्ट्रेशन, मणिपाल, कर्नाटक, भारत के तीन स्नातक छात्रों सुभाष उल्लाल, साधिका वेंकटेश और नाथन डिसूज़ा ने हमसे संपर्क किया। उन्होंने एक्कोर टेक ऑफ में भाग लिया था | चैलेंज 2011, एक्कोर हॉस्पिटैलिटी फ्रांस द्वारा आयोजित एक विश्वव्यापी छात्र प्रतियोगिता। उनकी परियोजना ने प्रस्तावित किया कि कपड़ा सैनिटरी पैड होटल उद्योग से हटाए गए लिनन से

बनाया जा सकता है।टीम ने उनके प्रस्ताव की व्यवहारिकता का आकलन करने के लिए उगेर परियोजना से परामर्श किया। इसके बाद टीम ने क्लॉथ पैड प्रोटोटाइप की एक श्रृंखला बनाई, जिसमें इन्सर्ट पैड, हल्के प्रवाह वाले दिनों केलिए हल्के पैड, पैंटी लाइनर और पैड की पैकेजिंग के लिए छोटे बैग शामिल थे, यह सुनिश्चित करते हुए कि केवल हटाए गए होटल के कपड़ों का उपयोग किया जाए।

अंतिम जूरी में उनके प्रस्ताव ने पहला पुरस्कार जीता जिसमें प्रशस्ति पत्र और एक्कोर की विभिन्न संपत्तियों को देखने के लिए पेरिसकी पूरी तरह से भुगतान की गई यात्रा शामिल थी। उगेरटीम की लक्ष्मी मूर्ति को विशेषरूप से टीम मेंटर के रूप में आमंत्रित किया गया था, जो छात्रों के साथ वर्ष 2022 केलिए तय की गई यात्रा के लिए थी। इस वर्ष के अन्य महत्वपूर्ण पहलू भी थे।

इकाई भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा आयोजित बैठकों में सक्रिय रूप से शामिल थी।साल भर बैठकें आयोजित की गईं - मासिक धर्म अवशोषक के लिए मानकों के विकास के लिए रणनीतियों पर काम करना। इसके अलावा-उगेर यूनिट सहित 5 संगठनों का एक क्लॉथ पैड कलेक्टिव बनाया गया।

परियोजना द्वारा अन्य नियमित गतिविधियाँ अन्य संगठनों जैसे शौकपा (कारगिल-लद्दाख), सूक्ष्म वित्त केंद्र (सिरोही-राजस्थान) के साथमासिक धर्म स्वास्थ्य जागरूकता कार्यशालाएँ थीं। प्रोत्साहन (दिल्ली), शिक्षांतर (उदयपुर-राजस्थान) और रोटरी क्लब (बेंगलुरु)।इसकेअतिरिक्त हमने अरुणिमा अंकुरन, ब्लीड रेड गो ग्रीन, होम साइंस कॉलेज (उदयपुर - राजस्थान), सेंटर फॉर एडवोकेसी एंड रिसर्च और अन्य के साथ सत्र आयोजित किए।

उगेर इकाई नियमित रूप से कपड़े के पैड और फेस मास्क का उत्पादन करती है जिन्हें कई एजेंसियों ने अपने कार्यक्रमों में लागू करने के लिए खरीदा था।हमने पहले बच्चों के लिए कपड़े की लंगोट का बैच उत्पादन शुरू किया था।इस साल दक्षिण एशिया में मातृ स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम कर रहे एक एनजीओ बरकत बंडल ने हमारी लंगोट को अपने प्रोजेक्ट के लिए उपयुक्त पाया।इसके परिणामस्वरूप 1200 बच्चों की लंगोट का अप्रत्याशित ऑर्डर मिला जो रिकॉर्ड समय में पूरा किया गया।

राजपुष्ट परियोजना

राजपुष्ट परियोजना जतन संस्थान व आईपीई ग्लोबल के संयुक्त तत्वाधान में CIFF द्वारा वित्त पोषित परियोजना है जो उदयपुर जिले के आंगनवाडी 2563 केन्द्रों पर कार्य कर रही है | इसका उद्देश्य जिले में बच्चो के कुपोषण में कमी लाना तथा शिशु मृत्यु दर में कमी लाना, 1000 दिवस की अवधारणा के अनुरूप कार्य करना, गर्भवती व धात्री माताओं कि काउंसिलग करना एव भोजन से जुडी प्रथाओं में सामाजिक व्यवहार में परिवर्तन लाना, कुपोषित बच्चों की पहचान करना व चिकित्सा एवं महिला एवं बाल विकास विभाग की सेवाओं से जोड़ते हुए नियमित रूप से निगरानी करते हुए सुपोषित बनाना और गर्भवती महिलाओं को सरकारी योजनाप्रधानमंत्री) मातृत्व वंदना योजना व इंदिरा गांधी मातृ पोषण योजना से जोड़ना है | इस वर्ष इस परियोजना के अंतर्गत निम्न कार्य किये गए -

गर्भवती महिला आंगनवाडी कार्यकर्ता तथा आशा के सहयोग से पोषण चेम्पियन (फील्ड कार्यकर्ता) द्वारा गर्भवती महिला कि पहचान करना व उनका जल्द से जल्द पोषण चेम्पियन एप्लीकेशन पर पंजीयन करने के साथ ही 9 माह के गर्भावस्था काल में 4 बार काउंसिल कर उन्हें पोषण सम्बन्धी तिरंगा भोजन के साथ ही आयरन,केल्सियम तथा टीकाकरण एव ANC जाँच सम्बन्धी जानकारी दी गयी जिसके पश्चात पोषण चेम्पियन द्वारा योग्यता अनुसार गर्भवती महिलओं को DBTके माध्यम से मिलने वाले सरकारी योजना(प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना व इंदिरा गांधी मातृ पोषण योजना) से जुड़ने में उनकी सहायता की गयी | वर्ष 2021-22 के दोरान करीब 34503 हजार महिलाओं को उक्त दोनों योजना से जुड़ने में उनकी सहायता की गई |

उदयपुर जिले में तिरंगा भोजन को सुनिश्चित करने के लिए गर्भवती व धात्री माताओं के भोजन से जुडी प्रथाओं में सामाजिक व्यवहार परिवर्तन लाने हेतु पोषण चैंपियन द्वारा लगातार आंगनवाडी केन्द्रों व गृह संपर्क के दौरान लाभार्निथी को नियमित परामर्श देते है तथा इसमें परिवार के अन्य सदस्य को भी जोड़ा जाता है जिससे कि परिवर्तन जल्द हो सके | इसके साथ साथ स्वछता पर भी ध्यान दिया जाता है जैसे हाथ धोकर खाना खाना, शौचालय का प्रयोग करना इत्यादि पर फोकस किया जाता है | यह कार्यक्रम पति, सासु माँ और अन्य परिवार और समुदाय के सदस्यों तक भी पहुंचता है ताकि आहार पैटर्न, स्वास्थ्य संबंधी व्यवहार और खाने और खिलाने की प्रथाओं में सुधार किया जा सके। प्रत्येक माह उदयपुर जिले के 79 पोषण चेम्पियन के माध्यम से नियमित होम विजिट के दौरान माताओं का वजन व बच्चों का वजन व लम्बाई व ऊंचाई लेते है और उनको वीडियों व बुकलेट के माध्यम से गर्भावस्था के दौरान पोषण व स्वास्थ्य पर चर्चा कर उनकी शंकाओं का समाधान करते है |

परिवार में छोटे छोटे ग्रुप में बैठकों का अयोजन करते है और उन्हें सही भोजन के मायने समझाते है | सुपोषण दिवस, जाजम बैठक, ग्राम सभा में भागीदारी पोषण संबंधित कार्य किया गया | बच्चे को छ: माह तक केवल स्तनपान के लिए प्रेरित करता है | इसका बड़ा बदलाव NHFS 5 में उदयपुर जिले में 33.6% की बढौती हुई है जो कहीं न कहीं परियोजना की महत्वपूर्ण उपलब्धि रही है |

टीकाकरण अभियान

"टीके से बचेगा देश..."

रीचिंग द अनरीच्ड परियोजना

राजस्थान राज्य के उदयपुर, बांसवाड़ा, डूंगरपुर और सिरोही जिलों में कोविड-19 महामारी पर जन-जागरूकता लाने और वंचित समुदाय के लोगों को टीकाकरण की सेवाओं से जोड़ने के लिए जे.एस.आई., यू.एस.एड. व चिकित्सा विभाग राजस्थान सरकार और जतन संस्थान के संयुक्त तत्वाधान में संचालित **M-RITE** परियोजना का संचालन किया जा रहा है | इस परियोजना के उद्देश्य 4 जनजातीय जिलों में सामुदायिक जुड़ाव और सेवा प्रदाताओं का सहयोग कर कोविड-19 टीकाकरण की पहुच में सहयोग करना ताकि अंतिम मील कनेक्टिविटी को सक्षम करना, स्थानीय स्तर की जानकारी जुटाकर जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से समुदाय के सदस्यों विशेषकर जनजातीय लोगों के बीच टीकाकरण संबंधी झिझक को कम करना और टीकाकरण अभियान के तहत सभी सरकारी अनुमोदित आयु समूह के टीकाकरण में सहयोग करना हैं |

परियोजना का कार्यक्षेत्र भौगोलिक विषमताएं लिए हुए था जहाँ पर टीकाकरण की पहुँच उनसे दूर थी तथा वो लगवाना नहीं चाह रहे थे जिस पर जतन संस्थान द्वारा एक कोर टीम का निर्माण करते हुए एक विशेष रणनीति तैयार की गयी | राजस्थान चिकित्सा विभाग के साथ के मार्गदर्शन में चारो जिलो के चिकित्सा अधिकारियों को परियोजना की गतिविधियों पर आमुखीकरण करते हुए आगामी रूपरेखा बनाई गयी |सराडा ब्लॉक में प्रोजेक्ट की शुरूआती गतिविधि की गयी जहाँ टीम का प्रदर्शन देखकर उदयपुर जिले के स्वास्थ्य अधिकारियो ने परियोजना को सराहा। चारो जिलो में स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों से मिलकर कम टीकाकरण वाले स्थानों का चयन कर वहाँ स्थानीय स्वयंसेवको का एक नेटवर्क तैयार कर उनका प्रशिक्षण किया गया। चारो जिलो में महिला दिवस के उपलक्ष पर ग्राउंड कार्यकर्ता जिसमे महिला ANM & आशा को कोविड-19 टीकाकरण में सहयोग हेतु जिला स्वास्थ्य अधिकारियो से सम्मानित करवाया गया ।

कोविड-19 टीकाकरण के भ्रांतियों व अपवाहों को दूर करने के लिए विभिन्न गतिविधियों जिसमे रात्रि चौपाल,कठपुतली शो,और स्थानीय स्वयं सेवक व स्थानीय साझेदारो की सहायता के माध्यम से खत्म कर गाव देहात के अंतिम छोर तक रहने वाले लोगो को टीकाकरण से जोड़ा गया और चिकित्सा विभाग के साथ मिलकर सहयोगी ढांचा तैयार कर कोविड-19 वेक्सीन दुर्गम स्थलों तक पहुंच सुनिश्चित करते हुए चारो जिलो में करीब 6330 लोगो के टीकाकरण कराने में सहयोग प्रदान किया गया।

कवच परियोजना

यह परियोजना करौली जिले में जिलाधीश महोदय की पहल पर समस्त स्थानीय संस्थाओं और संगठन के साथ मिलकर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के सहयोग से संचालित की गई | इसके तहत 55 गांव में 33 शिक्षा मित्र के साथ मिलकर जिला स्तर पर 3 बैठकें और क्लस्टर लेवल और जिला एसपीओसी के साथ बैठक आयोजित करके जिम्मेदारी सुनिश्चित की गयी | ब्लॉक स्तर पर 4 मेगा टीकाकरण अभियान से 4587 लोग लाभान्वित हुए ISAP और CECOEDECON के साथ सफलतापूर्वक सहयोग किया जहां हमें आंतरिक कर्मचारियों के लिए 25 COVID किट प्राप्त हुए हैं |

अज़ीम प्रेम जी फाउंडेशन : टीकाकरण कार्यक्रम

कोविड-19 महामारी के चलते हरेक जिले में जिस तरह की प्रशासनिक और जागरूकता सम्बन्धी चुनौतियाँ आ रही थी, राजसमन्द जिला भी उनसेअछूता नहीं था | ये समय सभी के लिए एक अवसर भी था एक साथ मिलकर इस चुनौती का सामना करने का | जिले में शिक्षा सम्बन्धी मुद्दों पर सक्रीय रूप से कार्य कर रही अज़ीम प्रेम जी संस्थान ने जतन के साथ मिलकर इस विषय पर सार्थकपूर्ण परियोजना विकसित कर कार्य करने का निर्णय लिया और इसे अच्छी तरह अंजाम भी दिया

जतन संस्थान द्वारा राजसमन्द जिले में अजीम प्रेम जी फाउंडेशन के सहयोग और मर्दर्शन में राजसमन्द जिले के 2 ब्लॉक्स में गहन टीकाकरण कार्यक्रम संचालित किया गया | रेलमगरा ब्लॉक के पिपली अहिरान, धनेरिया, कोटडी, रेलमगरा व दरीबा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और खमनोर

ब्लॉक के आकोदड़ा, बड़ा भाणुजा, झालो की मदार व सालोर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, पर यह कार्यक्रम संचालित किया गया | कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कोविड-19 से जुड़े संक्रमण के प्रसार को रोकने और मृत्यु दर को कम करने के लिए कोविड-19 महामारी की रोकथाम के तरीकों का प्रचार प्रसार करना था | इसके लिए एक सामूहिक रणनीति तैयार कर कार्य की शुरुआत की गई | सबसे पहले दोनों ब्लॉक चिकित्सा अधिकारियों से चर्चा करके ब्लॉक के टीकाकरण की स्थितियों को जाना गया | टीकाकरण के लिए केम्प आयोजित करने की योजना तैयार की गयी | दोनों ब्लॉक के लिए मजबूत टीम गठित की गयी | राजसमन्द जिले में वालंटियर के साथ कोविड-19 से जुडी भ्रांतियों व अफवाहों की जानकारी लेने के बाद कोविड-19 महामारी से बचने के लिए बार-बार अपने हाथ धोने, सेनेटाइजर का प्रयोग करने, मास्क पहनने जैसे मुख्य संदेशों का खूब प्रचार प्रसार किया गया | चिकित्सा विभाग की टीम के साथ केम्प आयोजित कर लोगों को टीकाकरण से जोड़ा गया | कार्य को प्रगति देने के लिए ग्राम स्तर पर स्वयंसेवक या वालंटियर का चयन किया गया |

इस कार्यक्रम स्वयंसेवकों या वालंटियर के रूप में 86 युवाओं ने जुड़कर अपनी सेवाएँ दी | उन्होंने विभिन्न तरीकों से समुदायों में जागरूकता करते हुए जरुरी संदेशों का प्रचार-प्रसार किया | इन्हें अज़ीम प्रेम जी संस्थान के साथियों द्वारा विशेष प्रशिक्षण भी दिया गया ताकि वे अपने काम को बखूबी अंजाम दे सकें | यही कारण था कि 6 महीने की छोटी अवधि में सभी साथियों के सम्मिलित प्रयासों से 1 लाख से भी अधिक लोगों को टीकाकरण से जोड़ना संभव हो सका |

प्रयास संस्थान के साथ

प्रयास संस्थान, चित्तोड़ के साथ मिलकर जिले में उन लोगों को इस मुद्दे पर जागरूक करने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए एक कार्यशाला का आयोजन किया गया जो क्षेत्र में लोगों को जागरूक करने और सही जानकारी प्रदान करने का काम कर रहें हैं | कार्यक्रम में वी.विश. फाउंडेशन, आई.सी.डी.एस, महावीर इंटरनेशनल, युवा मंडल, चिकित्सक, जनप्रतिनिधि, इमाम साहब,भोपा,किशोर, किशोरियों व विभिन्न समुदाय के प्रतिनिधियों, जतन संस्थान के ख़ुशी व चाइल्डलाइन परियोजना के साथियों द्वारा कार्यक्रम में हिस्सा लेकर कोविड-19 से जुड़े जानकारियों जाना व अपने मन की शंकाओं व जिज्ञासाओं पर सवाल किये जिन पर प्रयास संस्थान के डॉ. नरेंद्र गुप्ता द्वारा आसान तरीके, स्थानीय उदाहरणों के माध्यम से समझाया गया |

हमारे प्रकाशन

हमारी सुरक्षा हमारे हाथ

हिंदुस्तान जिंक प्रकाशन के लिए संस्थान द्वारा तैयार की गयी यह मार्गदर्शिका सरल और रोचक भाषा शैली में प्रभावी और आकर्षक रेखाचित्रों में अपने घर, घर के आस-पास और कार्यस्थल पर रखी जाने वाली सतर्कता, सुरक्षा सम्बन्धी प्रावधान और सुरक्षित व्यवहार को बनाए रखने के लिए उपयोगी जानकारी देती है | इस पुस्तिका में आग से बचने के लिए सुरक्षा, विद्युत सम्बन्धी खतरे से सुरक्षा, प्राथमिक चिकित्सा, रसायन या तरल पदार्थ सम्बन्धी आकस्मिक खतरों से बचाव, कार्यस्थल से जुड़े खतरे, फिसलना और गिरना, सड़क सुरक्षा, के साथ कोविड 19 जागरूकता सम्बन्धी विषयों को सम्मिलित किया गया है | यह पुस्तिका हरेक घर और कार्यस्थल पर रखी जाने योग्य है ताकि इसे अधिक से अधिक लोग पढ़ सकें और सुरक्षा सम्बन्धी सामान्य प्रावधानों का ध्यान रखते हुए स्वयं भी सुरक्षित रहें औरअपने परिवार और साथियों को भी सुरक्षित रख सकें |

अपने मेंस्ट्रूएटर को पहचानो

इस वर्ष उगेर टीम के मार्गदर्शन में बंबई की साध्या पवार, इंद्रप्रस्थ इंस्टीट्यूटऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी दिल्ली की तनुप्रिया दास/मुस्कान अग्रवाल, नेशनल इंस्टीट्यूटऑफ डिजाइन, आंध्र प्रदेश की प्राची जैन और बेंगलुरू की दिशा मेहता छात्रों के दल ने माहवारी से जुड़े अनुभवों को आगे बढ़ाते हुए एक अभियान जिसमें पांच अलग-अलग व्यक्तियों की कहानियोंऔर मासिक धर्म के साथ उनके अनुभवों का को संकलित करते हुए बताया कि माहवारी केवल महिलाओं तक ही सीमित नहीं है - और शरीर/पहचाने है जिन्हें माहवारी आती है | इन कहानियों को इसी नाम की एक पुस्तिका के रूप में डिजाइन किया गया, नो योर मेंस्ट्रुएटर, अपना मेंस्ट्रूएटर को पहचानो।

आंगनवाड़ी स्तरीय निगरानी व सहायता समिति प्रशिक्षण मार्गदर्शिका

हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड आईसीडीएस व जतन संस्थान द्वारा संचालित ख़ुशी परियोजना के तहत आंगनवाडी सञ्चालन, बेहतर रखरखाव में केवल मात्र जिम्मेदारी केंद्र स्टाफ ही समुदाय के सदस्य व इससे जुड़े हितधारक भी होते है | समेकित बाल विकास सेवाएँ राजस्थान सरकार द्वारा आंगनवाडी स्तर पर निगरानी एवं सहायता समितियों के गठन का आदेश जारी किया गया था | परियोजना के तहत उसी को मूर्त रूप देने का प्रयास करते हुए विभिन्न सहज व सरल स्थानीय परिवेश को जोडती हुई गतिविधियों व सत्रों को संकलित करते हुए एक प्रशिक्षण मार्गदर्शिका का निर्माण किया गया |

बाल मित्र विद्यालय सूचक

करौली जिले में NSE foundation के सहयोग से जतन संस्थान द्वारा संचालित ज्ञानोदय परियोजना अंतर्गत 225 विद्यालयों के साथ यह एक अनूठा प्रयास किया गया जहां सभी विद्यालय इन सूचकों की सहायता से मासिक आकलन करते हुए प्रधानाचार्य यह देख सकते है कि कौन कौन से क्षेत्र में "कार्य प्रगति में ..." है तथा "पूर्ण किया गया है " स्थिति में है और "शुरुआत ही नहीं किया गया" श्रेणी में है | इसी क्रम में इस सूचक पत्रक का वार्षिक समीक्षा हेतु भी इस्तेमाल किया जा सकता है जहां अवलोकन आधारित निर्णय लेने में कारगर साबित हो सकता है |
(बाल मित्र विद्यालय सूचक: टोटल 6 pages)

ऑनलाइन जश्न –ए -जतन 2022

जश्न –ए -जतन, दरअसल यादों का मौसम है | नयी यादें, पुरानी यादें, अपने काम और कार्यकर्ताओं से जुडी यादें और उन बातों और घटनाओं की यादें जो हमारे लिए मील का पत्थर बनीं | कोरोना संक्रमण और लॉक डाउन की स्थितियों के चलते जतन संस्थान का 21 वाँ स्थापना दिवस 12 जून 2021 को वर्चुअली मनाया गया और बहुत हर्षोल्लास के साथ इसे 3 दिनों के आयोजन के साथ मनाया जिसमें सभी कार्यकर्ता, कई पूर्व कार्यकर्ता और संस्थान के शुभचिंतक साथी-सहयोगी जुड़े |

स्थापना दिवस समारोह में ऑनलाइन कार्यक्रम के माध्यम से तीनों दिवस क्षमतावर्धन, संवाद व मनोरंजन की आदि गतिविधियाँ रखी गईं जिसमे सभी जतन कार्मिकों ने भाग लिया | प्रथम दिवस यूनिसेफ से श्रीमति मंजरी पंत ने कोरोना संक्रमण की वर्तमान स्थितियां और कार्य के अवसर विषय पर जतन कार्यकर्ताओं के साथ संवाद किया | इसके बाद शाम के सत्र में फिल्म निदेशक, अभिनेत्री और सक्रीय सामाजिक कार्यकर्ता नंदिता जी दास ने जेंडर और बॉडी पोजिटिविटी विषय पर जेण्डर के मुद्दे पर बताया कि महिला को जब तक औरत का दर्जा नही दिया जाएगा तब तक वह चीज ही मानी जाएगी और प्रत्येक वस्तु अपनी खूबसूरती के लिए ही जानी जाती है।

आयोजन के दुसरे दिन यु.एन वीमेन की कांता सिंह जी ने कार्यकर्ताओं के साथ ऑनलाइन संवाद करते हुए बालिकाओं की स्थिति पर चर्चा की और सामाजिक कार्यकर्ता होने के नाते हमारी जिम्मेदारियों की और ध्यान दिलाया | सांयकालीन सत्र में बाल सुरक्षा के मुद्दे पर एक परिचर्चा का आयोजन रखा गया था जिसमे राज्य बाल आयोग अध्यक्ष संगीता जी बेनीवाल और यूनिसेफ के संजय निराला ने भाग लिया |

आयोजन के तीसरे और अंतिम दिवस पर पर कम्बोडिया से जुडी दीप्ति मेनन ने वक्ता -अतिथि के रूप में दक्षिणी पूर्वी एशिया के क्षेत्रों में महिलाओं के लिए किये जा रहे अपने काम के अनुभव को साझा करते हुए ,विभिन्न तरह के प्रश्नों के जवाब देते हुए उन्होनें ने बताया कि घरेलू हिंसा के मुख्य कारण पूरे संसार में महिलाओं के साथ होने वाला सामाजिक भेदभाव है जिसे दूर करने के लिए विश्व स्तर पर प्रयास किये जा रहे हैं |

सांयकालीन सत्र में ऑनलाइन सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन रखा गया जिसमे सभी कार्यकर्ताओं ने विभिन्न प्रस्तुतियों के माध्यम से समां बाँध दिया | संस्थान के सभी कार्यालयों में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गए जिसे सभी साथियों ने ऑनलाइन देखा | आयोजन के अंत में निदेशक महोदय ने अपना शुभकामना सन्देश प्रसारित किया |

स्वस्थ परम्पराएं

रोजा-ए-इफ्तार

वी टाइम – मी टाइम

होली आयोजन

क्रिसमस सेलिब्रेशन

आउटिंग

कार्यकर्ता क्षमातावार्धन

जतन कार्यकारिणी समिति - बोर्ड सदस्य

Mahesh Chandra Dadheech
Chairman

***As on March 2022**

Dr. Kailash Brijwasi
Secretary / Executive Director

Goverdhan Singh Chouhan
Deputy Director/ Treasurer

Dr. Lakshmi Murthy
Additional Director

Ranveer Singh Shaktawat
Deputy Director

Mukesh Sinha
Board Member

Govind Singh Gehlot
Board Member

Mohammad Yusuf
Board Member

Sanjay Chittora
Board Member

जतन साधारण सभा सदस्य 2021-22

- Mahesh Dadheech, President
- Gowerdhan Singh Chouhan, Treasurer
- Dr. Kailash Brijwasi, Founder Secretary
- Dr. Lakshmi Murthy (Member)
- Ranveer Singh (Member)
- Ashwani Paliwal (Member)
- Govind Singh (Member)
- Sanjay Chittora (Member)
- Mohammad Yusuf (Member)
- Mukesh Sinha (Member)
- Prakash Bhandari (Member)
- Dr. Gayatri Tiwari (Member)
- Vardhani Purohit (Member)
- Gitika Ramchandran (Member)

कार्यकारिणी समिति की बैठकें

10अप्रैल 2021

10 जुलाई 2021

9 अक्टूबर 2021

11 दिसंबर 2021

12 मार्च 2022

साधारण सभा की वार्षिक बैठक

22मार्च 2022 जनवरी (शनिवार)

JATAN SANSTHAN

PROGRAMME EXPENDITURE FOR 2021-22

S.No.	PROGRAMME	2021-22
1	Learning Orbit for Village Excellence	379,125
2	Vaccination Programme	3,385,064
3	Prajwala Project	66,000
4	RajPusht Project	12,603,430
5	SMC	3,206,232
6	Initiative to improve nutrition status and enhance the enrolment of children through strengthening the ICDS	20,709,599
7	Child Line Project- Child Helpline 1098 (Rajsamand)	1,199,246
8	Child Line Project- Child Helpline 1098 (Udaipur Railway Station)	1,233,542
9	Block Education Transformation	10,223,541
10	Mahila Suraksha evam Salah Kendra (MSSK) PROJECT	215,698
11	Running of NFE and Balwadi Centre (Devali & Ramnagar, Udaipur) Intends to cater to the development needs of children with focus on health	804,876
12	MRITE Project	1,860,094
13	Parents + (Urban 95) BVLF	2,195,136
14	Gems for Boys Programme	5,433,277
15	Education Programme	2,184,720
16	FAYA Project	1,314,356
17	Jatan Sansthan UGER Programme	1,925,420
18	Jatan Resource Centre	1,528,161
19	Organisational expenses & Short term programmes	322,148
Total		**70,789,665**

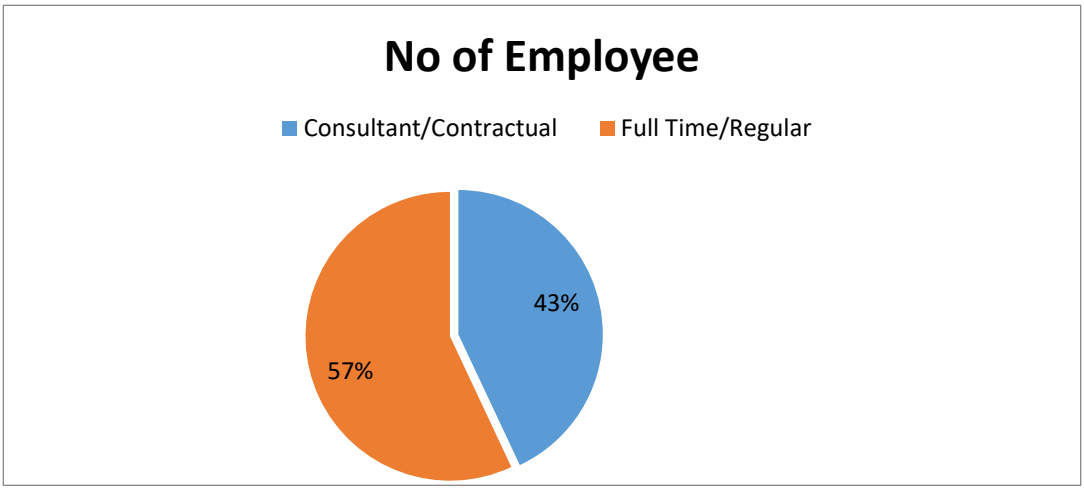

(M) 94141 57232

S.D. BAYA & Co.

Chartered Accountants

S. D. Baya
M.Com., FCA

448, Moksh Marg
Shastri Circle
Udaipur (Raj.)

FORM NO. 10B

[See Rule 17B]

Audit Report under section 12A (b) of the Income-tax Act, 1961 in the case of charitable or religious trusts or institutions

I have examined the balance sheet of JATAN SANSTHAN RAILMAGRA AAATJ5544J [name and PAN of the trust or institution] as at 31/03/2022 and the Profit and loss account for the year ended on that date which are in agreement with the books of account maintained by the said trust or institution

I have obtained all the information and explanations which to the best of my knowledge and belief were necessary for the purposes of the audit. In my opinion, proper books of account have been kept by the head office and the branches of the above-named trust visited by me so far as appears from my examination of the books, and proper Returns adequate for the purposes of audit have been received from branches not visited by me subject to the comments given below:

In my opinion and to the best of my information, and according to information given to me the said accounts give a true and fair view: -

i. in the case of the balance sheet of the state of affairs of the above-named trust as at 31/03/2022

ii. in the case of the profit and loss account, of the profit or loss of its accounting year ending on 31/03/2022

The prescribed particulars are annexed hereto.

For S.D.BAYA & COMPANY
Chartered Accountants

(SHUBH DARSHAN BAYA)
PROPRIETOR
Membership No: 076167
Registration No: 007833C

S.D. Baya & Co. 448, Moksh Marg Shastri Circle Udaipur Chartered Accountants

Place :UDAIPUR
Date : 21/09/2022
UDIN : 22076167AWFNLM7412

Jatan Sansthan
36, Vishwamitra Nagar, Railmagra
Tehsil: Railmagra, District: Rajsamand,
Rajasthan, India- 313 329

CONSOLIDATED BALANCE SHEET
AS AT MARCH 31ST, 2022

		AMOUNT			AMOUNT
CAPITAL FUND:		306,52,832.71	**FIXED ASSETS**	Schedule-1	207,80,291.00
Opening Balance	279,63,882.92		Grant Receivable	Schedule-2	66,90,234.12
Add: Purchase of Fixed Assets	5,05,602.00				
Add: During the Year	36,86,252.79				
Less: Deduction During the Year	15,02,905.00		Loans and Advances	Schedule-4	13,76,868.00
Staff Welfare Fund		85,546.00	Cash at bank	Schedule-3	126,06,542.60
Current Liabilities	Schedule-5	84,11,440.56	FD'S With Bank		27,80,047.00
Unspent Balance of Grant	Schedule-2	50,84,163.45			
TOTAL		442,33,982.72	TOTAL		442,33,982.72

Notes on Accounts
The Schedule referred to above form part of the Accounts
Signed in terms of our report of even date

For: S.D. Baya & Company
Chartered Accountants

(S.D. Baya)
Proprietor
Membership No. 76[illegible]

Place: Udaipur (Raj.)
Date :21-09-2022

For: Jatan Sansthan

(Dr. Kailash Brijwasi)
Secretary

(Goverdhan Singh Chouhan)
Treasurer

Jatan Sansthan

36, Vishwamitra Nagar, Railmagra
Tehsil: Railmagra, District: Rajsamand,
Rajasthan, India- 313 329

CONSOLIDATED INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT
FOR THE PERIOD ENDED 31-03-2022

	AMOUNT	INCOME		AMOUNT
PROGRAMME EXPENSES:				
Learning Orbit for Village Excellence (LOVE Project)	3,79,125.00	**Grant in aid: NSE Mumbai**		
		- Add: Closing Overspent balance	3,79,125.00	3,79,125.00
Vaccination Programme	33,85,064.00	**Grant in aid: APPI**		
		- Grant during the year	43,59,000.00	
		- Less: Closing Unspent balance	9,73,936.00	33,85,064.00
Prajwala Project	66,000.00	**Grant in aid: Bodh Shiksha Samiti Jaipur**		
		- Grant during the year	4,19,258.00	
		- Less: Opening overspent balance	9,06,135.00	
		- Add: Closing overspent balance	5,52,877.00	66,000.00
RajPusht Project	126,03,430.00	**Grant in aid: IPE Global New Delhi**		
		- Grant during the year	127,14,421.00	
		- Add: Opening unspent balance	11,85,711.00	
		- Less: Closing unspent balance	12,96,702.00	126,03,430.00
SMC	32,06,232.00	**Grant in aid: UNICEF Jaipur**		
		- Grant during the year	34,40,860.00	
		- Less: Purchase of fixed Assets	56,000.00	
		- Less: Closing unspent balance	1,78,628.00	32,06,232.00
Initiative to improve nutrition status and enhance the enrolment of children through strengthening the ICDS	207,09,599.00	**Grant in aid: Hindustan Zinc Limited, Udaipur**		
		- Grant in aid during the year	238,89,065.00	
		- Less: Opening overspent balance	65,44,196.00	
		- Add: Closing overspent balance	33,64,730.00	207,09,599.00
Child Line Project- Child Helpline 1098 (Rajsamand)	11,99,246.00	**Grant in aid: Child Line India, Mumbai**		
		- Grant during the year	9,49,906.00	
		- Less: Opening overspent balance	5,34,209.00	
		- Less: Purchase of fixed Assets	66,400.00	
		- Add: Amount dis allowed	41,304.00	
		- Adds: Closing Overspent balance	8,08,645.00	11,99,246.00
Child Line Project- Child Helpline 1098 (Udaipur Railway Station)	12,33,542.00	**Grant in aid: Child Line India, Mumbai**		
		Grant During The Year	8,63,390.00	
		- Less: Opening overspent balance	2,05,840.00	
		- Add: Amount dis allowed	24,067.00	
		- Add: closing over spent balance	5,51,925.00	12,33,542.00
Block Education Transformation	102,23,541.00	**Grant in aid: NSE Foundation**		
		- Add: Grant in aid during year	88,09,769.00	
		- Add: Bank interest received	34,029.00	
		- Less: Purchase of fixed Assets	6,200.00	
		Add:Opening unspent balance	31,68,608.00	
		- Less: Closing unspent balance	17,88,865.00	102,23,541.00
MSSK PROJECT	2,15,698.00	**Grant in aid: MSSK**		
		- Add: Grant in aid during year	1,51,073.00	
		Add:closing overspent balance	64,625.00	2,15,698.00
Running of NFE and Balwadi Centre (Devali & Ramnagar, Udaipur) intends to cater to the development needs of children with focus on health	8,04,876.00	**Grant in aid: Gebeco Reisen, Germany**		
		- Add: Grant in aid during year	8,42,688.00	
		Add:Opening unspent balance	41,101.52	
		- Less: Closing unspent balance	78,913.52	8,04,876.00
MRITE Project	18,60,094.00	**Grant in aid: JSI**		
		- Add. Grant in aid during year	18,45,900.00	
		- Less: Purchase of fixed Assets	1,65,600.00	
		Add:closing overspent balance	1,79,794.00	18,60,094.00

S.D. Baya & Co. 448, Moksh Marg, Shastri Circle, Udaipur, Chartered Accountants

Parents + (Urban 95) BVLF	21,95,136.00	**Grant in aid: BVLF**		
		- Add: Grant in aid during year	18,37,942.88	
		- Less: Purchase of fixed Assets	1,11,102.00	
		Add:closing overspent balance	4,68,295.12	21,95,136.00
Gems for Boys Programme	54,33,277.00	**Grant in aid: ICRW New Delhi**		
		- Add: Grant in aid during year	46,91,398.00	
		Add:Opening unspent balance	4,91,255.00	
		Add:closing overspent balance	2,50,624.00	54,33,277.00
Education Programme	21,84,719.52	**Grant in aid: Educate for Life U.K.**		
		- Add: Grant in aid during year	30,10,000.00	
		Add:Opening unspent balance	24,638.45	
		- Less: Purchase of fixed Assets	82,800.00	
		- Less: Closing unspent balance	7,67,118.93	21,84,719.52
FAYA Project	13,14,356.00	**Grant in aid: PFI, New Delhi**		
		- Add: Grant in aid during year	95,800.00	
		- Add: Bank interest received	7,993.00	
		Add:Opening unspent balance	12,10,563.00	13,14,356.00
Jatan Sansthan UGER Programme	19,25,420.00	**Grant in aid and other receipts (UGER)**		
		Other Donation/Contribution	18,40,089.00	
		Less: Fixed Assets Purchased	17,500.00	18,22,589.00
Jatan Resource Centre	15,28,160.98	**Organisational Receipts**	21,70,451.00	21,70,451.00
Organisational expenses & Short term programmes	3,22,148.01	**Other Organizational Receipts:**		
		- Add: Bank interest/other income	26,59,892.52	26,59,892.52
Debit amount Written off	18,49,713.00	Sale of Scrap	2,66,000.00	2,66,000.00
		Member ship Fee	1,887.00	1,887.00
		Credit amount Write back	23,90,875.26	23,90,875.26
Excess of Income oer Expenditure Transfer to Balaince Sheet	36,86,252.79			
	763,25,630.30			**763,25,630.30**

Notes on Accounts

The Schedule referred to above form part of the Accounts

Signed in terms of our report of even date

For: S.D. Baya & Company
Chartered Accountants

(S.D. Baya)
Proprietor
Membership No. 5167

Place: Udaipur (Raj.)
Date :21-09-2022

For: Jatan Sansthan

(Dr. Kailash Brijwasi)
Secretary

(Goverdhan Singh Chouhan)
Treasurer

मिडिया में हम -

दैनिक भास्कर | डूंगरपुर भास्कर 14-02-2022

वेलेंटाइन डे विशेष • साल 2021 में 33 में से 22 में खटास, लेकिन 11 प्रकरण में भी राजीनामा होने पर साथ रहने के लिए हो गए तैयार

महिला थाने की टीम ने एक साल में 150 पति-पत्नी के टूटते रिश्ते को काउंसलर बनकर फिर जोड़ दिया

6-6 बार काउंसलिंग की, छोटी-छोटी बातों को लेकर परिवार नहीं टूटे इसके लिए समझाया

इन तीन केस से समझिए कैसे किया प्रयास

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग उदयपुर और जतन संस्थान के तत्वाधान में मनाया अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

उदयपुर, 8 मार्च। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग उदयपुर और जतन संस्थान के तत्वाधान में मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के सभागार में महिला दिवस का आयोजन किया गया।

'पौधों की तरह बच्चों की परवरिश के प्रति हों संवेदनशील'

दैनिक भास्कर | डूंगरपुर भास्कर 24-01-2022

एक साल में अलग होने के लिए 139 प्रकरण आए, समझाइश के बाद 75 केस में पति-पत्नी फिर से साथ रहने के लिए राजी हो गए

अर्बन-95 उदयपुर चिल्ड्रन फेस्टिवल : 2000 से अधिक बच्चों ने की शिरकत

चाक पर खिलौने बनाना सीखा तो कठपुतलियों ने बच्चों से बातें की

दैनिक नवज्योति AasPaas - 19 Mar 2021 - 1

खेल-खेल में खुशी अभियान का शुभारम्भ

ब्यूरो/नवज्योति, राजसमन्द। महिला एवं बाल विकास विभाग, हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड व जतन संस्थान के तत्वावधान में संचालित खुशी परियोजना के तहत करवाड़ कार्यालय से रेलमगरा, राजसमंद व खमनोर ब्लॉक की 309 आंगनवाड़ियों के करीब नौ हजार बच्चों के लिए शाला पूर्व शिक्षा का किट के तहत बच्चों के लिए पाठ्यक्रम को लेकर उनकी वस्तुएं बच्चों तक पहुंचाने के खुशी अभियान का हरी झंडी दिखाकर शुभारम्भ किया गया। जतन संस्थान उपनिदेशक रणबीर सिंह ने बताया कि आंगनवाड़ी केंद्र पर बच्चों के खेलने के लिए स्लाइडर, रॉकर व बच्चों के लिए शाला पूर्व शिक्षा

दैनिक भास्कर | राजसमन्द भास्कर 30-03-2022

बैठक : कुपोषण निवारण के लिए मिशन लेकर कार्य करने की आवश्यकता : सीईओ

चाइल्डलाइन परियोजना के जागरूकता बैनर का विमोचन

राजसमंद. जागरूकता बैनर का विमोचन करते अधिकारी।

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क

राजसमंद. जिला कलक्टर ... छोटे बच्चों को काम, कुछ करना बिल्कुल गलत है। ऐसे कार्य करने वाले सजा के हकदार बनेंगे। बताया

'तुम चलो तो हिंदुस्तान चले' एक दिवसीय आमुखिकरण कार्यशाला का आयोजन

सामुदायिक एवं व्यावहारिक महाविद्यालय एवं जतन संस्थान के बीच एमओयू

उदयपुर. महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय उदयपुर के संघटक सामुदायिक एवं व्यावहारिक महाविद्यालय एवं जतन संस्थान के बीच एमओयू किया गया। इसमें महाविद्यालय डीन डॉ. मीनू श्रीवास्तव तथा जतन संस्थान के

कुलपति डॉ. एनएस राठौड़ ने बताया कि यह करार आपस में सहयोग और उनके प्रत्येक संसाधन

एक दिवसीय ग्राम पंचायत शिक्षा अधिकारी आमुखीकरण कार्यशाला का आयोजन

जतन संस्थान

5, तिरुपति विहार, भुवाणा, उदयपुर
राजस्थान, भारत
313001
www.jatansansthan.org